INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-61 | मथुरा, सोमवार, 27 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

यमुना हादसे के बाद थमा मथुरा-वृंदावन का 'चुनरी मनोरथ'

घाटों पर सन्नाटा, आस्था और आजीविका दोनों पर संकट

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी वृंदावन में पिछले महीने केशीघाट के पास पौंटून पुल से टकराने के बाद मोटरबोट पलटने से हुए हादसे के बाद प्रशासन द्वारा नाव संचालन पर लगाई गई रोक का असर अब व्यापक रूप से देखने को मिल रहा है। इस फैसले ने न केवल श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े 'चुनरी मनोरथ' जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजनों को रोक दिया है, बल्कि घाटों की रौनक और स्थानीय लोगों की आजीविका पर भी गहरा असर डाला है।

यमुना तट पर होने वाला 'चुनरी मनोरथ' ब्रज की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में से एक है। हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु मथुरा, वृंदावन और गोकुल में यमुना महारानी को चुनरी अर्पित करने के लिए यहां पहुंचते थे, लेकिन नाव संचालन बंद होने के कारण यह आयोजन फिलहाल पूरी तरह ठप हो गया है। घाटों पर अब न तो भजन-कीर्तन की गूंज सुनाई दे रही है और न ही श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आ रही है। जहां कभी सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं की चहल-पहल रहती थी, वहीं अब वीरानी का माहौल है।

नावें किनारे खड़ी हैं, घाट सूने पड़े हैं और धार्मिक गतिविधियां लगभग बंद हो चुकी हैं। स्थानीय लोग इसे "वृंदावन की रौनक पर लगा ब्रेक" बता रहे हैं। इस फैसले का सबसे बड़ा असर उन लोगों पर पड़ा है जिनकी रोजी-रोटी यमुना घाटों से जुड़ी थी। बताया जा रहा है कि फूल-माला और प्रसाद बेचने वालों की बिक्री घट गई है। छोटे दुकानदार और फोटोग्राफर प्रभावित हो गए हैं। हजारों परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए वृंदावन प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल है, लेकिन हादसे के बाद पर्यटकों की संख्या में गिरावट देखी गई है। हादसे को लेकर यात्रियों में डर और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। गाइड और टूर ऑपरेटर की आय प्रभावित भी हुई है। यूनिक समय की टीम के साथ बातचीत करते हुए स्थानीय लोगों की मांग है कि पूरी तरह प्रतिबंध के बजाय सुरक्षित और नियंत्रित संचालन की व्यवस्था लागू की जाए।

नाव संचालन पर रोक लगने से धार्मिक परंपराएं प्रभावित

हजारों लोगों का रोजगार ठप, श्रद्धालुओं में डर का माहौल

मथुरा में शिक्षा व्यवस्था बेपटरी

102 शिक्षक गैरहाजिर कई ब्लॉकों में खुली पोल

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जिले की बेसिक शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। हाल ही में जारी निरीक्षण रिपोर्ट और प्रेरणा पोर्टल के डाटा ने चौंकाने वाला खुलासा किया है।

जिले के लगभग हर विकास खंड में शिक्षक गैरहाजिर मिले हैं। 20 अप्रैल 2026 तक की जांच में 100 से अधिक शिक्षकों और शिक्षामित्रों की अनुपस्थिति दर्ज की गई है, जिससे शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है।

सूत्रों के अनुसार बल्देव, छाता, चौमुहां, गोवर्धन, मांट, मथुरा, नौहझील, राया और नंदगांव जैसे लगभग सभी ब्लॉकों में शिक्षक अनुपस्थित मिले। सबसे ज्यादा नाम गोवर्धन और मांट ब्लॉक से सामने आए, जहां दर्जनों शिक्षक निरीक्षण के दौरान स्कूलों से गायब पाए गए। वहीं मथुरा और नौहझील में भी बड़ी संख्या में शिक्षामित्र और सहायक अध्यापक बिना सूचना के अनुपस्थित मिले। ये सभी आंकड़े मानव संपदा और ऑनलाइन प्रेरणा पोर्टल के आधार पर सत्यापित किए गए हैं। कई मामलों में शिक्षक अवकाश आवेदन के बिना ही गैरहाजिर पाए गए, जिससे उनकी जवाबदेही तय की जा रही है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा है कि ऐसे सभी कर्मचारियों का अनुपस्थित अवधि का वेतन रोका जाएगा और उनसे स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। साथ ही संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों को तीन दिन के भीतर पूरी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए हैं। इस खुलासे ने न सिर्फ शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ाई की जमीनी स्थिति भी उजागर कर दी है। अभिभावकों का कहना है कि "स्कूल खुलते जरूर हैं, लेकिन शिक्षक नहीं आते", जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस पर कितनी सख्ती दिखाता है या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

मानव संपदा व प्रेरणा पोर्टल ने खोली शिक्षकों की हाजिरी की हकीकत

हर ब्लॉक में गायब मिले शिक्षक, कार्रवाई के आदेश

20 अप्रैल तक के निरीक्षण में 100 से अधिक नाम

वेतन कटौती व जवाबदेही के निर्देश जारी

बदलाव नहीं

महंगाई के युग में बंदियों की डायट में कोई वृद्धि नहीं

हवालात के बंदियों का 10 रुपये में भरा जाता है पेट

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आजादी से लेकर अब तक जनसेवा के भाव को लेकर राजनीति में जाने वाले जनसेवकों के वेतन और पेंशन में न जाने कितनी बार वृद्धि हो गई, किंतु थानों की हवालातों में बंद किए जाने वाले बंदियों का पेट भरने के लिए डायट की राशि में कोई खास वृद्धि नहीं की गई। आज भी एक बंदी को खाने की कीमत मात्र 10 रुपये ही है। अब खुद ही अंदाज लगा लीजिए, इतनी महंगाई में 10 रुपये में बंदी का कैसे पेट भरेगा।

सरकार बदलते समय को देखते हुए पुलिस महकमे को हाईटैक करने में जुटी है। महकमे में सुधार भी देखा जा रहा है, लेकिन थानों की हवालातों में बंद होने वाले बंदियों की खाने की डाइट की कीमत को सुनकर आप को भी शायद शॉक लग सकता है। हवालात में बंद होने वाले व्यक्ति को खाना खिलाने के लिए सरकारी खजाने से मात्र 10 रुपये का भुगतान किया जाता है। आज की मंहगाई के दौर में शायद ये बात किसी को हजम न हो लेकिन ये हकीकत है। हवालात में बंद होने वालों के लिए सरकार की तरफ से ऐसी ही व्यवस्था है।

सरकार थानों को कंप्यूटरीकृत कर रही है। थानों में केमरे लगाए जा रहे हैं। ऑनलाइन एफआईआर से लेकर कुछ और मॉर्डन व्यवस्थाएं की जा रही हैं। लेकिन थाने की हवालातों में बंद होने वाले व्यक्तियों की खुराक के दाम में कुछ अधिक बदलाव नहीं किया गया है। पुलिस विभाग से मिली जानकारी के अनुसार करीब दो दशक पहले हवालत में बंद होने वाले बंदियों को डाइट के लिए सवा दो रुपये दिए जाते थे। लेकिन अब इसे बढ़ा कर पांच रुपये कर दिया गया है।

यह उस समय की बात है जब आटा, चावल, दाल और तेल सहित मिर्च मसालों के दाम काफी कम थे। इन सभी खाद्य वस्तुओं के दामों में 15 से 20 फीसद से अधिक की वृद्धि हो चुकी है, लेकिन हवालात में बंद बंदी की डाइट का मीनू नहीं बदला। इस मंहगाई के दौर में इतने कम दामों पर खाना खिला पाना तो असंभव है, लेकिन पुलिस के पास ऐसा जादू है कि वे थाने की हवालात में बंद व्यक्ति को खाना खिलाती है। सब कुछ बदल गया लेकिन बंदियों को खिलाई जाने वाली खुराक में कोई बढ़ोत्तरी नहीं हुई है।

मिलता है नाम मात्र का खर्चा

यूनिक समय, मथुरा। एक थाना प्रभारी का कहना है कि सरकार की तरफ से ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। थाने की हवालात में बंद होने वाले व्यक्ति को भरपेट खाना खिलाया जाता है। मगर उन्होंने यह नहीं बताया कि खाना किस मद से खिलाया जाता है, जब कि हवालात में बंद होने वाले व्यक्ति की खाना पानी की व्यवस्था सब सरकारी होती है।थानों की हवालात में बंद होने वाले व्यक्तियों की डाइट का भुगतान किया जाता है जो कि पुलिस की लिखापढ़ी में बंद होते हैं। ऐसे बंदियों की चिक खुराक भेजी जाती है। उनके वाउचर बनाए जाते हैं और एसएसपी कार्यालय से थाना प्रभारी को उसका भुगतान दिया जाता है। एक अंदाजे के अनुसार थानों में हर माह तीन से लेकर पांच हजार रुपये तक का भुगतान किया जाता है।

बंदियों को परिवार के लोग ही खाना खिलाते हैं

यूनिक समय, मथुरा। थानों की हवालात में बंद होने वाले स्थानीय बंदियों को उनके परिवार के लोग भोजन करा देते हैं। अगर किसी व्यक्ति का कोई नहीं होता है तो उसे थाने में चलने वाली मैस से भोजन करा दिया जाता है। इस तरह पुलिस की जादूई खराक की व्यवस्था होती है।

बंदी की खुराक से अनभिज्ञ हैं थाना प्रभारी

यूनिक समय, मथुरा। थानों में तैनात अधिकांश थाना प्रभारियों को भी सरकार द्वारा थाने की हवालात में बंद होने वाले व्यक्तियों को खाने की मिलने वाली डाइट के बारे में पूरी तरह से जानकारी नहीं है। इस बारे में किसी थाना प्रभारी ने कुछ तो किसी थाना प्रभारी ने दूसरी बात बताई।

पानी के पाउच ने छीनी ठंडी प्याऊ की छांव

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा की गर्मी और घड़े की ठंडी प्याऊ का ये रिश्ता कभी इतना गहरा था कि राहगीर प्यास से पहले ही सुकून महसूस कर लेते थे। लेकिन अब हालात ऐसे हैं कि चौराहों पर जहां पहले "प्याऊ" लिखा बोर्ड दिखता था, वहां आज प्लास्टिक के पानी के पाउच लटकते नजर आते हैं– ठंडक कम, कचरा ज्यादा।

पहले हर गली, हर चौराहे, हर मंदिर के बाहर मिट्टी के घड़ों में भरा ठंडा पानी राहगीरों को बुलाता था–"आओ भाई, दो घूंट सुकून के पी लो।" सेवा भाव

से लोग प्याऊ लगाते थे, और पानी के साथ मुस्कान भी मुफ्त मिलती थी। खासकर गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर तो हर कुछ कदम पर प्याऊ मिल जाती थी, जिससे श्रद्धालुओं की प्यास ही नहीं, थकान भी मिट जाती थी।

अब सीन बदल चुका है। घड़े की जगह प्लास्टिक के पाउच ने ले ली है।

सड़कों पर प्लास्टिक का राज

घड़े की ठंडक अब इतिहास बनती जा रही

कभी हर चौराहे पर दिखती थीं घड़े वाली प्याऊ

प्यासे राहगीर पाउच फाड़कर पानी तो पी लेते हैं, लेकिन वो सुकून नहीं मिलता। उल्टा खाली पाउच सड़क पर फेंककर पर्यावरण को "तपस्या" जरूर करा देते हैं। बुजुर्गों की मानें तो ये सिर्फ पानी का बदलाव नहीं, सोच का भी बदलाव है। पहले "सेवा" थी, अब "सुविधा" है। पहले घड़े का पानी दिल ठंडा करता था, अब पाउच का पानी बस गला गीला करता है। अगर इस हालात को कार्टून में देखें, तो एक तरफ बूढ़ा घड़ा आंसू बहाते हुए कह रहा होगा–"मुझे याद करोगे" और दूसरी तरफ प्लास्टिक का पाउच मुस्कुराते हुए बोल रहा होगा–"मैं सस्ता हूं, चलता हूं!"कुल मिलाकर, मथुरा में प्याऊकी ठंडी छांव अब यादों में सिमटती जा रही है, और प्लास्टिक का गर्म सच सड़कों पर बिखरता जा रहा है।

फिल्म अभिनेता गोविंदा पहुंचे वृंदावन

संत प्रेमानंद से आशीर्वाद लेकर ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के किये दर्शन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। अभिनेता गोविंदा आज सुबह यहां वृंदावन पहुंचे। उन्होंने संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात के दौरान एकांतिक वार्तालाप कर उनका आशीर्वाद लिया। यहां से वह ठाकुर बांके बिहारी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने फूल बंगला में विराजमान ठाकुर जी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। गोविंदा काफी देर तक हाथ जोड़कर ठाकुर बांके बिहारी महाराज की छवि को काफी देर तक उनको निहारते रहे। जगमोहन की देहरी पर इत्र लगाया। सेवायत गोपी गोस्वामी ने गोविंदा को ठाकुर बांके बिहारी का प्रसाद और अंग वस्त्र भेंट किया। दर्शन करने के बाद फिल्म अभिनेता गोविंदा मंदिर

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करते फिल्म अभिनेता गोविंदा। साथ में मंदिर सेवायत गोपी गोस्वामी उनको प्रसाद की छबरिया भेंट करते हुए।

सेवायत गोपी गोस्वामी की गद्दी पहुंचे। जहां उन्होंने भगवान का बाल भोग ग्रहण किया। गोविंदा ने कहा कि मथुरा आकर सुकून और शांति मिली।

डिजिटल इंडिया में भी कैश का ही बोलबाला

डिजिटल को छोड़ नकद लेनदेन को बढ़ावा दे रहे दुकानदार

टैक्स चोरी की बढ़ रही है आशंका

यूनिक समय, मथुरा। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के बावजूद जिले में आज भी बड़ी संख्या में दुकानदार ऐसे हैं, जहां केवल नकद भुगतान से ही सामान बेचा जा रहा है। इन दुकानों पर ग्राहक ऑनलाइन पेमेंट करना चाहते हैं, लेकिन दुकानदार साफ मना कर देते हैं। कभी-कभी लोगों के पास नकद पैसा नहीं होता है तो ऐसे लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। शहर के अलग–अलग बाजारों में ऐसी कई दुकानें देखने को मिल रही हैं, जहां यूपीआई, स्विप कार्ड या अन्य डिजिटल पेमेंट नहीं लिया जाता। दुकानदार सीधे कह देते हैं कि यहां सिर्फ नकद पैसा ही चलेगा। अगर ग्राहक ऑनलाइन भुगतान की बात करता है तो उसे टाल दिया जाता है या सामान देने से मना कर दिया जाता है। ग्राहकों का कहना है कि आज के समय में ज्यादातर लोग अपने पास कैश कम रखते हैं और ऑनलाइन पेमेंट को आसान मानते हैं। लेकिन जब दुकानदार कैश की ही मांग करते हैं तो लोगों को मजबूरी में एटीएम से पैसा निकालना पड़ता है या फिर बिना सामान लिए ही बाजार से लौटना पड़ता है।

लोगों का कहना है कि व्यापारी जानबूझकर ऑनलाइन पेमेंट से बचते हैं। कहीं टैक्स नहीं लग जाए ऑनलाइन पेमेंट में हर लेनदेन का रिकॉर्ड रहता है, जिससे आय का सही हिसाब होता है। वहीं कैश में यह साफ नहीं होता, जिससे गड़बड़ी की गुंजाइश रहती है, सरकार लगातार डिजिटल इंडिया को बढ़ावा दे रही है और लोगों को ऑनलाइन भुगतान के लिए प्रेरित कर रही है। इसके बावजूद यदि दुकानदार नियमों का पालन नहीं कर रहे है।

हाईवे पर सांड़ से बाइक टकराई, युवक घायल

यूनिक समय, मथुरा। जयपुर बरेली हाईवे पर गांव गजू के समीप अचानक सांड़ के आजाने से बाइक सवार टकराकर घायल हो गया। घायल युवक उपचार के बाद अपने गंत्वय को चला गया। बताया गया कि गांव ककरोली थाना उझानी जिला बदायूं निवासी रविंद्र सिंह रविवार की शाम करीब सात बजे बाइक से जयपुर बरेली हाईवे से अपने गांव के लिए जा रहा था। गांव गजू के समीप अचानक हाईवे पर एक सांड़ तेजी से आ गया। युवक की बाइक सांड़ से टकरा गई। दुर्घटना में रविंद्र सिंह घायल हो गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने घायल को उठाकर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया।

बदलती सोच

बदल रही नई पीढ़ी की प्राथमिकताएं

शादी से ज्यादा करियर को पहले प्राथमिकता

यूनिक समय, मथुरा। आज की जेन–जी, मिलेनियल्स और जेन–अल्फा पीढ़ी में जीवन को लेकर सोच तेजी से बदल रही है। अब शादी को जीवन का अनिवार्य हिस्सा नहीं बल्कि एक विकल्प माना जा रहा है। भारत और विदेशों में हुए विभिन्न सर्वे बताते हैं कि युवा अब करियर, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। ब्रिटेन के एक सर्वे में करीब 50 प्रतिशत किशोरों ने कहा कि उनके लिए भविष्य में शादी करना जरूरी नहीं है। भारत में भी स्थिति कुछ ऐसी ही दिखाई देती है। सरकारी और सर्वे आंकड़ों के अनुसार हर चार में से एक युवा शादी से दूरी बना रहा है। पुणे की 16 वर्षीय अनन्या जैसी कई युवा पीढ़ी पहले अपने करियर पर ध्यान देना चाहती है।

रिपोर्टों के अनुसार जेन–अल्फा पीढ़ी के 10 में से सात बच्चे पैसे कमाने और वित्तीय समझ विकसित करने में रुचि रखते हैं। यह दर्शाता है कि नई पीढ़ी बचपन से ही आर्थिक रूप से जागरूक हो रही है। वहीं अविवाहित लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। आंकड़ों के अनुसार 2011 से 2019 के बीच

शादी न करने की इच्छा रखने वाले युवकों का प्रतिशत 20.8% से बढ़कर 26.1% और युवतियों का 13.5% से लगभग 20% तक पहुंच गया है। महिलाओं की औसत विवाह आयु भी बढ़कर लगभग 29 वर्ष तक पहुंच चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव के पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण आर्थिक स्वतंत्रता और करियर पर ध्यान देना है। इसके अलावा जिम्मेदारियों का डर, व्यक्तिगत स्वतंत्रता की चाह और रिश्तों में समानता की अपेक्षा भी प्रमुख कारण हैं। आज की पीढ़ी मानती है कि शादी जीवन का लक्ष्य नहीं बल्कि एक विकल्प है। आधुनिक सुविधाएं, बदलती सामाजिक सोच और स्वतंत्र जीवनशैली ने भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। कुल मिलाकर, नई पीढ़ी शादी से ज्यादा अपने करियर, आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्राथमिकता दे रही है। आज की जेन–जी, मिलेनियल्स और जेन–अल्फा पीढ़ी में शादी की तुलना में करियर और आर्थिक स्थिरता को ज्यादा महत्व दिया जा रहा है। युवा पहले खुद को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं, इसलिए शादी को अब जीवन का अनिवार्य चरण नहीं बल्कि एक विकल्प माना जा रहा है।

रिपोर्टों के अनुसार जेन–अल्फा पीढ़ी के 10 में से 7 बच्चे पैसे कमाने और वित्तीय समझ विकसित करने में रुचि रखते हैं। ब्रिटेन और भारत के सर्वे बताते हैं कि कई युवा शादी को जरूरी नहीं मानते और अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2011 से 2019 के बीच शादी न करने की इच्छा रखने वाले युवकों का प्रतिशत 20.8% से बढ़कर 26.1% और युवतियों का 13.5% से लगभग 20% तक पहुंच गया है। वहीं महिलाओं की शादी की औसत उम्र भी बढ़कर करीब 29 वर्ष हो गई है।

विशेषज्ञों के अनुसार युवा अब जिम्मेदारियों और पारंपरिक बंधनों से बचना चाहते हैं। आर्थिक स्वतंत्रता, समानता की सोच और आधुनिक जीवनशैली ने रिश्तों की परिभाषा बदल दी है। अब शादी को जीवन का लक्ष्य नहीं बल्कि एक व्यक्तिगत विकल्प माना जा रहा है।

एक मई से बदलेगा न्यायालय का समय

प्रातः सात बजे से एक बजे तक होगा न्यायालयों में काम

साढ़े 10 से 11 बजे तक रहेगा भोजन अवकाश

कार्यालय 6–30 से 1–30 खुलेंगे

यूनिक समय, मथुरा। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश के अनुपालन में जिला जज विकास कुमार ने मई व जून 2026 से जनपद न्यायालयों के समय में परिवर्तन किया है। जिला जज विकास कुमार ने इस बारे में बार एसोसिएशन मथुरा बाह्य न्यायालय छाता एंव ग्राम न्यायालय मांट को पत्र लिख कर माह मई व जून 2026 के दौरान न्यायालयों का समय प्रातः सात बजे से एक बजे तक और कार्यालयों का समय 6–30 बजे से 1–30 बजे तक तथा मध्यान्ह काल (भोजन अवकाश) 10–30 से 11 बजे तक रहेगा।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

तापमान / मौसम

44 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

26 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,52,810
22 कैरेट 1,40,585
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,45,690 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

गेहूं खरीद में बिचौलियों का दखल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : डीएम

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने राया मंडी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खाद्य विभाग और भारतीय खाद्य निगम के तीन क्रय केंद्रों की व्यवस्थाओं को देखा। कड़े तेवर दिखाते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि गेहूं खरीद में बिचौलियों का दखल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भुगतान में देरी करने वाले अधिकारियों पर सीधी कार्रवाई होगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में निर्देश दिए कि किसानों को उनके गेहूं का भुगतान 48 घंटे के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि

राया में गेहूं खरीद केंद्र का निरीक्षण करते डीएम सीपी सिंह।

भुगतान में लापरवाही बरती गई, तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक किसान को 2585 के न्यूनतम समर्थन मूल्य का पूरा लाभ मिले। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने क्रय केंद्रों पर किसानों के लिए पेयजल, छाया, पंखे, कूलर और बैठने की उचित व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इलेक्ट्रॉनिक कांटों की जांच की गई और निर्देश दिया गया कि तौल प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ हो।

राया मंडी में गेंहू क्रय केंद्रों का निरीक्षण

बिचौलियों पर पैनी नजर रखने को कहा। उन्होंने बोरियों के रखरखाव और बारिश से बचाव के लिए तिरपाल की व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा गया। मंडी निरीक्षक को मंडी परिसर में साफ-सफाई की उत्कृष्ट व्यवस्था बनाए रखने के आदेश दिए निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केवल फाइलों की जांच नहीं की, बल्कि वहां मौजूद किसानों से सीधा संवाद भी किया। कहा कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

20 रूपये में मैंगो शेक नहीं, स्लो पॉइजन है!

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गजब का गणित है भाई! जिस शहर में आम 100 रुपये किलो से नीचे नहीं बिक रहा हो, वहां समाजसेवी आपको गिलास भर-भर के मैंगो शेक पिला रहे हैं। ये कोई कुदरत का करिश्मा नहीं बल्कि आपकी सेहत के साथ खेला जा रह, एक बहुत बड़ा और गंदा खेल है। जरा सोचिए, जिस शेक को घर में शुद्ध दूध और असली आम से बनाने में 40 रुपये का खर्चा आता है वह रेहड़ी वाला मुनाफा कमाकर आपको 15-20 में कैसे पिला पा रहा है? असल में उस पीले घोल में आम नहीं होता, बल्कि उसमें होता है कैंसर पैदा करने वाला सिंथेटिक पीला रंग, सस्ती सैक्रीन और घटिया क्वालिटी का पाउडर वाला दूध जो आपके लीवर और किडनी की बैंड बजाने के लिए काफी है।

सस्ता पीने की ये होड़ आपको

केमिकल रंग और पाउडर दूध का खतरनाक खेल

धीरे-धीरे अस्पताल के बिस्तर की ओर धकेल रही है। आप जिसे पलभर की ठंडक समझकर गटक रहे हैं, वह दरअसल रसायनों का एक ऐसा कॉकटेल है जो आपके शरीर के अंगों को अंदर ही अंदर गला रहा है। प्यास लगी है तो सादा पानी पी लीजिए या सामने नींबू पानी बनवा लीजिए, लेकिन इस नकली मैंगो शेक के नाम पर अपनी नसों में जहर मत उतारिए। याद रखिए, आपकी जान इतनी सस्ती नहीं है कि उसे सड़क किनारे बिकने वाले किसी भी पीले केमिकल के बदले दांव पर लगा दिया जाए। जाग जाइए, वरना ये सस्ता सौदा आपकी जिंदगी का सबसे महंगा सबक साबित होगा!

नगर निगम मथुरा में पार्षदों ने उठाई विकास की मांग

नगर आयुक्त जगप्रवेश के साथ बैठक करते उप सभापति मुकेश सारस्वत समेत अन्य पार्षद।

ऑनलाइन पोर्टल शुरू, गृहकर जमा करने पर 10% छूट का लाभ

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा-वृन्दावन ने नागरिकों के लिए गृहकर/सम्पत्ति कर जमा करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल को पुनः चालू कर दिया है। अपर नगर आयुक्त ने जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के गृहकर बिलों पर 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है, जिसका लाभ निर्धारित समयावधि में कर जमा करने पर मिलेगा। निगम के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बिलों का वितरण कार्य अभी जारी है। ऐसे में जिन भवन स्वामियों को अभी तक इस वर्ष का बिल प्राप्त नहीं हुआ है, वे अपने पिछले वर्ष 2025-26 के बिल या रसीद के आधार पर भी अपना गृहकर/सम्पत्ति कर जमा कर सकते हैं।

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा-वृन्दावन के उप सभापति मुकेश सारस्वत सहित अनेक पार्षदों ने नगर आयुक्त एवं महापौर को एक विस्तृत मांग पत्र सौंपा है, जिसमें शहर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत सुविधाओं और विकास कार्यों से जुड़ी कई समस्याओं के समाधान की मांग की गई है।

पत्र में सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने और सेवानिवृत्त कर्मियों के स्थान पर नई नियुक्तियां करने की मांग की गई है। साथ ही बाल्मीकि समाज के परिवारों को रोजगार देने की भी बात उठाई गई है। पार्षदों के अध्ययन

मथुरा-वृन्दावन में विकास कार्यों को लेकर पार्षदों का संयुक्त मांग पत्र

भ्रमण के लिए बेंगलुरु, मैसूर और उदी जैसे शहरों के दौरे का प्रस्ताव रखा गया है। कृष्णापुरी मिशन कंपाउंड में खेल स्टेडियम और ग्रीन पार्क निर्माण, पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नए समरसेबल पंपों की स्थापना, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत एवं समूह प्रणाली से संचालन तथा प्रत्येक वार्ड में सार्वजनिक जिम स्थापित करने की मांग भी शामिल है। इसके अलावा ग्रामीण वार्डों के लिए विशेष विकास योजना, सार्वजनिक स्थानों पर वाटर कूलर, निगम कार्यालयों में सौर ऊर्जा का उपयोग और मथुरा-वृन्दावन के घाटों पर चेंजिंग रूम, प्रकाश व्यवस्था एवं चार्जिंग पॉइंट की व्यवस्था की मांग की गई है। बंदरों की समस्या के समाधान पर भी जोर दिया गया है।

इस संयुक्त पत्र पर उप सभापति मुकेश सारस्वत के साथ रेनू तिलकवीर चौधरी (वार्ड 47), राकेश भाटिया (वार्ड 36), विकास दिवाकर (वार्ड 18), नश्याम चौधरी (वार्ड 69), राजीव कुमार सिंह एडवोकेट (वार्ड 37), पुष्पा देवी (वार्ड 59), राधाकृष्ण पाठक (वार्ड 67), रूपकिशोर वर्मा (वार्ड 62), मनोज कुमार शर्मा एडवोकेट (वार्ड 49), नाजरा (वार्ड 22), निरंजन सिंह (वार्ड 44), रजनी देवी (वार्ड 03), अभिजीत कुमार (वार्ड 33), तरुण कुमार सैनी (वार्ड 35), कुलदीप पाठक (वार्ड 68), चंदन आहूजा (वार्ड 30) सहित अनेक पार्षदों के हस्ताक्षर हैं।

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई होमगार्ड भर्ती परीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस भर्ती एंव प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित तीन दिवसयी परीक्षा का सोमवार आज तीसरे दिन समापन हो गया। 17 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई परीक्षा में कुल 14208 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी, लेकिन परीक्षा में 11078 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा छोड़ने वालों की संख्या 3130 रही।

पुलिस भर्ती एंव प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय होमगार्ड भर्ती परीक्षा का आज अंतिम दिन था। जनपद के 17 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न कराया गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर भ्रमण कर वहां की जा रही व्यवस्थाओं को देखा। परीक्षा केंद्रों के बाहर ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को केंद्रों के बाहर लोगों की भीड़

होमगार्ड भर्ती परीक्षा में आज 17 केंद्रों पर 11078 परीक्षार्थी बैठे

3130 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में नहीं लिया भाग

एकत्रित न होने देने के निर्देश दिए। परीक्षा केंद्रों के अंदर कड़ी परीक्षार्थियों की कड़ी चेकिंग की गई। इसके साथ ही केंद्र व्यवस्थापकों द्वारा भी परीक्षा के दौरान परिक्षार्थियों पर कड़ी नजर रखी गई। इस तरह तीन दिवसीय परीक्षा आज नकल विहीन और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराई गई। आज 14208 अभियार्थियों को परीक्षा देनी थी, लेकिन परीक्षा के अंतिम दिन11078 परीक्षार्थी शामिल हुए। 3130 परीक्षार्थियों ने परीक्षा को छोड़ दिया।

विधायक निधि की पहली किस्त जारी

विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जिले में विकास कार्यों को रफ्तार देने के लिए विधायक क्षेत्र विकास निधि की पहली किस्त जारी कर दी गई है। वित्तीय वर्ष 2026–27 के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 2.5 करोड़ रुपये की धनराशि निर्धारित की गई है, जिससे मथुरा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छोटे–बड़े विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है। मथुरा जिले की छाता, मांट, गोवर्धन, मथुरा और बल्देव विधानसभा सीटों के लिए भी समान रूप से धनराशि तय की गई है। इस फंड के जरिए सड़क, नाली, सामुदायिक भवन, पेयजल और अन्य जरूरी स्थानीय कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। यह व्यवस्था इस तरह बनाई गई है कि विकास कार्य सीधे जनप्रतिनिधियों की सिफारिश के आधार पर तय हों, जिससे स्थानीय जरूरतों के अनुसार काम हो सके। इससे गांव और कस्बों में लंबे समय से लंबित छोटे लेकिन जरूरी कार्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी। धनराशि का उपयोग चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा और इसका खर्च संबंधित स्तर पर तय प्रक्रिया के अनुसार होगा। जिले में पहले से लंबित प्रस्तावों को भी इस फंड से प्राथमिकता मिलने की संभावना है, जिससे विकास कार्यों की गति और बढ़ेगी।

प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के तहत सभी विधानसभा और विधान परिषद सदस्यों के लिए बड़े स्तर पर बजट का प्रावधान किया गया है, जिससे साफ है कि विकास कार्यों को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने की तैयारी है।

मथुरा में इस फंड के आने से बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है। इससे स्थानीय स्तर पर विकास की तस्वीर बदलने की संभावना जताई जा रही है।

जिले की प्रत्यके विधानसभा को 2.5 करोड़ रुपये जारी

मथुरा में काम तेज होने के संकेत

पंचम पुण्य स्मरण

श्रीमती विनीता अग्रवाल जी
स्वर्गवासः 28.04.2021
हर पल हृदय को आती है आपकी याद।
आपसे ही थी हमारी दुनिया आबाद।।
बिना आपके अधूरा है हमारा यह संसार।
कभी न भूलेंगे हम आपके संस्कार।।
आपकी पंचम पुण्यतिथि पर शत्–शत् नमन।
श्रद्धानवत
सुशीला देवी (सास), विष्णु अग्रवाल (पति)
राजीव अग्रवाल–सुनीता अग्रवाल (देवर–देवरानी)
यश अग्रवाल–राशि अग्रवाल (पुत्र–पुत्रवधू)
एवं नैना अग्रवाल (पुत्री) युवान अग्रवाल (पौत्र)
–फर्म–
यश टैक्सटाइल (रेखा साड़ी), मथुरा 9837212134
नैना इन्टरप्राईजेज, मथुरा 9412280300

जलसेवा: भारत विकास परिषद् ने पक्षियों के लिए वितरित किए पात्र

पक्षियों के लिए मिट्टी के जल पात्रों के साथ भारत विकास परिषद् के सदस्य।

भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए राहत की पहल

यूनिक समय, मथुरा। समाज सेवा की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए भारत विकास परिषद् मथुरा इकाई ने भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए मिट्टी के जल पात्र वितरित किए। इस अभियान के तहत संस्थापक सचिन अग्रवाल और अध्यक्ष डॉ. सुधीर गर्ग ने परिवार के सदस्यों को पात्र सौंपते हुए अपील की कि सभी लोग इन्हें उचित स्थानों पर रखकर प्रतिदिन पानी भरें, ताकि प्यासे पक्षियों को राहत मिल सके।

संरक्षक राजेश अग्रवाल और सचिव आलोक जैन ने बताया कि इस अभियान को श्रृंखलाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। प्रत्येक सदस्य कम से कम 10 लोगों को ऐसे पात्र वितरित करेगा और वे भी आगे इसी तरह दूसरों को जोड़ेंगे। इससे समाज में सेवा और पर्यावरण संरक्षण की भावना मजबूत होगी। पूर्व अध्यक्ष वेद प्रकाश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रकल्प समाज सेवा और परोपकार की भावना को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम में श्रीकांत अग्रवाल, सीए अभिषेक अग्रवाल, मृदुल कृष्ण अग्रवाल, पियूष खंडेलवाल, सीए चिराग अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल (सुजुकी), प्रकाश अग्रवाल, महेश बिंदल, ऋषि गुप्ता, नवीन अग्रवाल, अतुल शोरा वाला, अन्नू वार्ष्णेय, अलका अग्रवाल, तनु अग्रवाल, लीना अग्रवाल, नेहा जैन, भारती अग्रवाल, नेहा अग्रवाल और शालिनी अग्रवाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

महेश सैनी के घर हुए हमले की निष्पक्ष जांच होगी

एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपते सैनी समाज के लोग।

यूनिक समय, मथुरा। जिला सैनी समाज के अध्यक्ष एडवोकेट महेश सैनी के घर पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में सैनी समाज ने आज एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह को छह सूत्री ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और मुकदमा दर्ज करने की मांग की। एसपी सिटी ने सैनी समाज के लोगों को आश्वासन दिया कि घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। जांच पूरी होने तक कोई एकतरफा गिरफ्तारी नहीं होगी और पीड़ितों की तहरीर पर नियमानुसार मुकदमा पंजीकृत किया जाएगा। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव जागेश्वर यादव ने पीड़ित परिवार को समाजवादी पार्टी की ओर से पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के साथ समाजवादी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे। सामाजिक कार्यकर्ता रमेश सैनी एवं बुद्धिलाल सैनी ने कहा कि उन्हें पुलिस प्रशासन पर पूरा भरोसा है। समाज को उम्मीद है कि पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई कर मुकदमा दर्ज करेगी। ज्ञापन देने वालों में बलराम सैनी, मुकेश सैनी नेताजी, जागेश्वर यादव, अखिल भारतीय समता फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही, रमेश सैनी पीडब्ल्यूडी वाले, छतर सिंह सैनी, पार्षद लक्ष्मण सैनी, कृष्ण गोकुलिया, डॉ. राजकुमार सैनी, पूर्व प्रधान पवन सैनी तथा शरद सैनी आदि शामिल थे।

मथुरा के छात्रों को राहत

छात्रवृत्ति व्यवस्था के लिए दो करोड़ रुपये जारी

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा/लखनऊ। मथुरा समेत प्रदेश के पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए राहत भरी खबर है। छात्रवृत्ति योजनाओं को बेहतर तरीके से संचालित करने और उनकी निगरानी मजबूत करने के लिए दो करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है। इस राशि से छात्रवृत्ति व्यवस्था को और पारदर्शी व व्यवस्थित बनाने का काम किया जाएगा।

यह धनराशि छात्रवृत्ति योजनाओं की निगरानी और कंप्यूटरीकरण पर खर्च की जाएगी, जिससे आवेदन से लेकर भुगतान तक की प्रक्रिया को आसान और तेज बनाया जा सके। अक्सर देखने में आता है कि छात्रों को छात्रवृत्ति मिलने में देरी होती है या प्रक्रिया स्पष्ट नहीं होती, ऐसे में यह पहल इन समस्याओं को कम करने में मददगार साबित हो सकती है।

मथुरा जिले में भी बड़ी संख्या में छात्र इन योजनाओं का लाभ लेते हैं।

ऑनलाइन निगरानी और व्यवस्था सुधार पर खर्च होगी धनराशि

खासतौर पर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र छात्रवृत्ति पर काफी हद तक निर्भर रहते हैं। नई व्यवस्था से उन्हें समय पर और बिना परेशानी के लाभ मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

धनराशि का उपयोग जरूरत के अनुसार किया जाएगा और इसका पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा। जिलों से हर महीने खर्च का ब्यौरा एकत्र कर आगे भेजा जाएगा, जिससे व्यवस्था पर निगरानी बनी रहे।

इस पहल से छात्रवृत्ति प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और पात्र छात्रों तक समय पर सहायता पहुंच सकेगी। मथुरा समेत पूरे प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए यह कदम काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गोवर्धन में भाकियू (सुनील गुट) का धरना–प्रदर्शन, मुआवजे की मांग

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (सुनील गुट) के पदाधिकारियों और किसानों ने धरना–प्रदर्शन कर ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का शीघ्र मुआवजा देने की मांग उठाई। हाल ही में हुई बारिश और ओलावृष्टि से क्षेत्र के किसानों की फसलें भारी नुकसान की चपेट में आ गई हैं। धरने में शामिल किसानों ने शासन–प्रशासन के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण उनकी तैयार फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं, जिससे वे आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सभी प्रभावित गांवों का जल्द सर्वे कराकर वास्तविक नुकसान का आकलन किया जाए और पारदर्शी तरीके से किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि वे अपनी आजीविका फिर से शुरू कर सकें।

इस संबंध में एसडीएम गोवर्धन ने कहा कि ओलावृष्टि से हुए नुकसान की जानकारी संज्ञान में है। प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराया जा रहा है और रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। नियमानुसार पात्र किसानों को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी। धरने में लक्ष्मण चौधरी, जितेंद्र चौधरी, डॉ. राजवीर सिंह, राजू, मेंबर सिंह सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

भाकियू ने स्टेशन निदेशक को सौंपा ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय किसान यूनियन सुनील के पदाधिकारीयों ने सोमवार को यात्रियों के लिए पीने के पानी की मांग को लेकर स्टेशन निदेशक एपी श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा।

यूनियन के पदाधिकारियों ने कहा कि यात्रियों को इस भीषण गर्मी में पीने के लिए पानी खरीदकर पीना पड़ता है। उन्होंने रेलवे अधिकारियों को चेतावनी दी कि अगर 24 घंटे के अंदर यात्रियों के लिए मुफ्त में ठंडे पानी की व्यवस्था नहीं हुई तो जंक्शन पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी रेलवे अधिकारियों की होगी। ज्ञापन देने वालों में महिला जिला अध्यक्ष मीना ठाकुर, जिला प्रभारी भगवान दास तोमर, महानगर अध्यक्ष भारत अग्रवाल, वृंदावन नगर अध्यक्ष विनोद राजपूत आदि मौजूद रहे।

अहमियत मृतक की मां के दर्द को सुन राघवेंद्र ने हेलमेट बांटना शुरू किया

बेटे के पास हेलमेट होता तो वह आज जिंदा होता

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में ट्रेफिक नियमों की परवाह किए बगैर सड़क पर चलने वाले दो पहिया वाहन चलाने वालों के लिए एक मृतक युवक की मां का दर्द कितना असहनीय है यह उनकी मन की बात से समझा जा सकता है। जनहित में यूनिक समय उस मां की टीस को इसलिए प्रकाशित कर रहा है, जिससे वह हेलमेट की अहमियत को समझ सके। युवक के घर पर दुख में शामिल होने पहुंचे राघवेंद्र ने मृतक युवक की मां की वेदना को सुना तो उसी समय उन्होंने हेलमेट बांटने का निर्णय लिया।

यदि बेटे के पास हेलमेट होता तो वह आज जिंदा होता। मां के इन शब्दों ने राघवेंद्र की दुनिया उजाड़ दी और जिंदगी का मकसद बदल दिया। यमुना एक्सप्रेस वे पर एक भयानक हादसे ने राघवेंद्र के रूममेट कृष्णा को उनसे छीन लिया। कृष्णा बाइक पर था, टक्कर हुई और सिर में लगी चोट जानलेवा साबित हुई। सबसे दर्दनाक यह था कि खून से लथपथ कृष्णा के लिए सड़क पर कोई नहीं रुका और बिना हेलमेट के उसकी जान चली गई।

जब राघवेंद्र कृष्णा के घर पहुंचा तो इकलौते बेटे को खोने वाली मां का विलाप सुन उसका कलेजा कांप उठा। मां की बस एक ही चीख थी– "सब कुछ दिया, बस हेलमेट नहीं दे पाए।" उसी पल राघवेंद्र ने कसम खाई कि अब किसी और घर का चिराग हेलमेट की कमी से नहीं बुझेगा। नोएडा लौटकर उन्होंने अपना सब कुछ इस मिशन में झोंक दिया। अपनी जमा–पूंजी से हजारों हेलमेट खरीदे और सड़क पर बिना सुरक्षा चलने वालों को रोक–रोकर हेलमेट बांटने लगे।

यह जुनून इस कदर बढ़ा कि राघवेंद्र ने अपना घर बेच दिया और पत्नी के गहने तक गिरवी रख दिए। कोरोना काल में भी उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और दो ट्रक हेलमेट बांटकर लोगों की जान बचाई। आज देश उन्हें "हेलमेट मैन ऑफ इंडिया" के नाम से जानता है। नितिन गडकरी और सोनू सूद जैसी हस्तियां भी उनके इस जज्बे को सलाम कर चुकी हैं। 56 हजार से ज्यादा जिंदगियों को सुरक्षा कवच दे चुके राघवेंद्र अब हेलमेट बैंक और लाइब्रेरी के जरिए जागरूकता फैला रहे हैं। उनका संदेश साफ हैः हेलमेट कोई बोझ या नियम नहीं, बल्कि आपकी जिंदगी का सबसे जरूरी हिस्सा है।

NOTICE

CHANGE OF NAME & DATE OF BIRTH- I, Premvati, mother of JC-286868L Sub (Gnr) Om Beer Singh presently serving with Army Unit 52 Med Regt C/o 56 APO, have changed my name from Prem Vati to Premvati and my DOB from 28/08/1958 to 01/01/1953. Address- 55, Anandvan Phase-1, Mathura (UP).

NOTICE

CHANGE OF DATE OF BIRTH- I, Hoshiyar Singh father of JC-286868L Sub (Gnr) Om Beer Singh presently serving with Army Unit 52 Med Regt C/o 56 APO, I have changed my DOB from 28/08/1951 to 01/01/1953. Address- 55, Anandvan Phase-1, Mathura (UP).

शिक्षा विभाग में तबादलों की आंधी एक साथ 13 लिपिक इधर से उधर

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। बेसिक शिक्षा विभाग में कार्य व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त करने के लिए बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जारी आदेश के तहत जनपद में तैनात 13 कनिष्ठ लिपिकों (बाबुओं) का ब्लॉक परिवर्तन कर दिया गया है। यह आदेश शनिवार को जारी हुआ, जिसमें सभी संबंधित कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से नए कार्यस्थल पर कार्यभार ग्रहण

करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी सूची के अनुसार अभिषेक सिंह को फरह से गोवर्धन, अजीत कुमार को गोवर्धन से नौहझील, भानु सिंह को छाता से राया स्थानांतरित किया गया है। इसी क्रम में छविनाथ पांडेय को मांट से नौहझील,

बीएसए कार्यालय के आदेश, तत्काल कार्यभार ग्रहण करें

राकेश सिंह को राया से फरह भेजा गया है। इसके अलावा अनुज अग्रवाल को चौमुहां से वृंदावन–चौमुहां, सावित्री को मथुरा से बलदेव, प्रमोद राणा को नंदगांव से मांट तथा मीना कुमारी को नौहझील से छाता स्थानांतरित किया गया है। वहीं ओमेश शर्मा को बल्देव से नगर क्षेत्र, प्रकाश चौरसिया को नगर क्षेत्र मथुरा में ही पुनः समायोजित किया गया है। रितेश अग्रवाल और रामवीर सिंह जैसे कर्मचारियों को भी नगर क्षेत्र वृंदावन व मथुरा ग्रामीण में नई तैनाती दी गई है। सभी कर्मचारी अपने–अपने विकास खंड कार्यालय में कार्यभार ग्रहण कर उसकी सूचना बीएसए कार्यालय को उपलब्ध कराएं। इस व्यापक फेरबदल से विभागीय कार्यों में पारदर्शिता आएगी और लंबित फाइलों के निस्तारण में तेजी आएगी।

विधि बैच 1976 का स्वर्णिम जयंती समारोह धूमधाम से संपन्न

पुराने साथियों की यादों में डूबा बीएसए कॉलेज

बीएसए कॉलेज के वर्ष 1976 के विधि संकाय के छात्र अपनी स्वर्णिम जयंती मनाते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज मथुरा के वर्ष 1976 के विधि संकाय के छात्रों द्वारा अपनी स्वर्णिम जयंती के अवसर पर स्थानीय होटल में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुराने साथियों के मिलन की खुशी और यादों का उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ मुख्य अतिथियों ने किया। वहीं मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। वर्ष 1976 के विद्यार्थियों को प्राचार्य द्वारा पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि देवेंद्र कुमार गुप्ता ने इस दिन को स्वर्णिम दिवस बताते हुए आयोजन की सराहना की। डॉ. ललित मोहन शर्मा ने भावुक क्षण साझा करते हुए बताया कि उनका जन्म भी वर्ष 1976 में ही हुआ था। डॉ. एसके राय ने इस आयोजन को सराहनीय पहल बताते हुए भविष्य में ऐसे कार्यक्रम कॉलेज परिसर में आयोजित करने का सुझाव दिया। समारोह के संयोजक अजय शर्मा, शरद मोहन पांडे ने सभी अतिथियों और सहभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर गोकुलेश शर्मा (पूर्व जिला जज), अरुण अग्रवाल (पूर्व चीफ जनरल मैनेजर), रमन लाल गुप्ता, अनिल भार्गव, बृजमोहन उपाध्याय, अशोक कुमार बंसल, मनमोहन गुप्ता, प्रकाश चंद्र, राकेश शर्मा, श्याम सुंदर सैनी, उमाशंकर शर्मा, सुभाष चतुर्वेदी एवं महेश नारायण कपूर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संचालन रमेश कुमार शर्मा ने किया।

"मेरा गांव मेरा गौरव" कार्यक्रम में किसानों को मिली महत्वपूर्ण जानकारी

यूनिक समय, मथुरा। ग्राम बर का नगला, विकास खंड फरह में केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम और कृषि विज्ञान केंद्र सहयोग से मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत रासायनिक उर्वरकों का विवेकपूर्ण उपयोग विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 50 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेषज्ञों ने किसानों को रासायनिक उर्वरकों के संतुलित और वैज्ञानिक उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा अत्यधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बताया गया कि सही मात्रा और सही समय पर उर्वरकों का उपयोग करने से न केवल फसल उत्पादन बढ़ता है, बल्कि खेती की लागत भी कम होती है। साथ ही मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के उपायों पर भी चर्चा की गई। अंत में किसानों की शंकाओं का समाधान किया गया और उन्हें सतत कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। यह कार्यक्रम किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हुआ।

आरपीएफ ने यात्रियों को वितरित किया ठंडा शर्बत

रेलवे अधिकारी यात्रियों को जागरूक करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी को देखते हुए सोमवार को आरपीएफ के जावानों ने यात्रियों को ठंडा शर्बत वितरित किया। शरबत वितरण का शुभारंभ स्टेशन निदेशक एपी श्रीवास्तव ने किया।

मथुरा जंक्शन पर इस भीष्ण गर्मी के मौसम में पानी के लिए परेशान यात्रियों को गर्मी से राहत प्रदान करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने जनजागरूकता का संदेश देते हुए यात्रियों को शरबत पिलाया। मंडल रेल प्रबंधक आगरा गगन गोयल के मार्गदर्शन व वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पी राज मोहन के निर्देशन में स्टेशन डायरेक्टर एपी श्रीवास्तव, आरपीएफ थाना प्रभारी निरीक्षक उपदेश कुमार कौशिक, उप निरीक्षक सूरज मीना, मंडल वाणिज्य निरीक्षक पवन कुमार द्वारा यात्रियों को जागरूक करते हुए बताया गया कि बिना उचित एवं आपातकालीन कारण के ट्रेनों में अलार्म चेन पुलिंग न करें। इसके दंडनीय प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। साथ ही यात्रियों को अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने, संदिग्ध व्यक्तियों से सावधान रहने तथा ट्रेनों एवं स्टेशन परिसर में यात्री सामान की चोरी से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में अवगत कराया गया।

रेलवे अधिकारियों ने किया यात्रियों को जागरूक

चाकू के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने देवराह बाबा घाट वाले रास्ते से पुलिस ने शिव पल्टन निवासी बड़े खरारे माधेपुर पोस्ट बनकाटवा देहात थाना कोतवाली बजीरगंज जिला गोंडा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया है।

अनियंत्रित कार पलटने से एक युवक की मौत, तीन घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया क्षेत्र स्थित बरेली हाईवे पर गांव मल्हे के समीप शादी समारोह में शामिल होने जा रहे युवकों की एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई तथा तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जनपद हाथरस के गांव तमन्नागढ़ी निवासी अनिल कुमार अपने साथी फरमान धर्म सिंह व प्रेमचंद राल गांव के लिए जा रहे थे। कार को फरमान चला रहा था। जैसे ही कार बरेली हाईवे पर गांव मल्हे के समीप पहुंची। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर एक गड्ढे में पलट गई। दुर्घटना होती देख ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों का अस्पताल में इलाज कराया। बताया गया कि दुर्घटना में अनिल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। अनिल कुमार की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छात्राओं ने गोल्ड मेडल जीत कर बढ़ाया विद्यालय का मान

टूर्नामेंट में विजेता छात्राएं गोल्ड मेडल दिखातीं हुईं।

यूनिक समय, मथुरा। 25 से 26 अप्रैल तक अमरनाथ विद्या आश्रम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित खेलो इंडिया अस्मिता टूर्नामेंट में रतनलाल स्कूल की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। विद्यालय की दो टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें टीम ए की नौ छात्राओं ने गोल्ड मेडल जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। विभिन्न स्कूलों और जिलों से आई प्रतिभाशाली बालिकाओं के बीच कड़े मुकाबले हुए, लेकिन रतनलाल स्कूल की टीम ने अनुशासन, उत्कृष्ट खेल कौशल और टीम भावना के दम पर सभी को पीछे छोड़ दिया। छात्राओं ने अलग–अलग खेल स्पर्धाओं में भाग लेते हुए निर्णायक जीत दर्ज की। उनके प्रदर्शन में आत्मविश्वास और समर्पण साफ नजर आया, जिसकी सराहना निर्णायकों और दर्शकों ने भी की। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बालिकाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है।

विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. नीता सिंह ने विजेता छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य छात्राओं को भी खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

रतनलाल स्कूल की छात्राओं का स्वर्णिम प्रदर्शन

बेटियों ने दिया आत्मविश्वास और समर्पण का संदेश

केडी मेडिकल कॉलेज में विश्व टीकाकरण सप्ताह का शुभारम्भ

आमजन के लिए सुरक्षा कवच है टीकाकरण: डॉ. गगनदीप कौर

बच्चे को पुरस्कृत करती डॉ. गगनदीप कौर साथ में अन्य चिकित्सक।

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र (यूएचटीसी), कोटा में सोमवार को टीकाकरण सप्ताह का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर चिकित्सकों ने ग्रामीणों को टीकाकरण के फायदे बताए। टीकाकरण सप्ताह का समापन 30 अप्रैल को किया जाएगा।

टीकाकरण सप्ताह के शुभारम्भ अवसर पर उप–प्रधानाचार्य और विभागाध्यक्ष सामुदायिक चिकित्सा डॉ. गगनदीप कौर ने बताया कि टीकाकरण आमजन के लिए एक सुरक्षा कवच है, जो बच्चों और बड़ों को पोलियो, खसरा, टिटनेस जैसी गम्भीर बीमारियों से बचाता है। यह न केवल जान बचाता है बल्कि महंगे इलाज के खर्च से बचाकर आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करता है। डॉ. कौर ने कहा कि टीके बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि बहुत से लोग मानते हैं कि टीका लगवाने से साइड इफेक्ट हो सकता है जोकि एक मिथक है। टीके सुरक्षित हैं और इनका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। इसलिए, टीका लगवाना आपको स्वस्थ रखने और हानिकारक बीमारियों से बचाने का एक सुरक्षित उपाय है।

विभागाध्यक्ष सामुदायिक चिकित्सा डॉ. गगनदीप कौर ने बताया कि सभी विकसित और विकासशील देशों में नियमित टीकाकरण का सफल वितरण सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की एक मूलभूत सेवा है, जो पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में रुग्णता और मृत्यु दर को कम करने के सबसे किफायती तरीकों में से एक है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम हर पीढ़ी के लिए, टीके कारगर हैं, रखी गई है। यह थीम इस बात का संकेत है कि टीकाकरण से प्रत्येक व्यक्ति हर तरह की बीमारी से प्रतिरक्षित हो जाता है।

सत्र के दौरान डॉ. गगनदीप कौर, डॉ. अभिनव आनंद, डॉ. श्वेता सिंह और डॉ. शुभ्रा दुबे ने ग्रामीण महिलाओं को टीका–निवारक रोगों, अनुशंसित टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करने के महत्व और टीकाकरण के बाद होने वाले प्रतिकूल प्रभावों (एईएफआई) की विस्तार से जानकारी देते हुए टीकाकरण को लेकर लोगों की चिंता और गलतफहमी को दूर किया। टीकाकरण सप्ताह के समन्वयक डॉ. कपिल देव और डॉ. गुंजन ने यूएचटीसी, कोटा में पूर्ण और समय पर टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए, आयु के अनुसार पूर्णरूप से टीका लगवा चुके बच्चों को पुरस्कृत किया। इस जागरूकता अभियान में अशोक, इंद्रपाल, सुलक्षा और कृष्णा का सक्रिय सहयोग रहा।

केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल तथा डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका ने जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की।

डॉ. अशोका ने बताया कि टीकाकरण सप्ताह का मुख्य उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और टीकाकरण दर में वृद्धि करना है ताकि सभी उम्र के लोगों को हर तरह की बीमारियों से बचाया जा सके। डॉ. अशोका ने अपने संदेश में कहा कि समय से टीके नहीं लगवाने से हेपेटाइटिस बी, टाइफाइड और फ्लू जैसी बीमारियों का खतरा रहता है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न टीके बीमारी को कम करने की बजाय, रोग होने से पहले ही रोगाणुओं को पहचानने और उनसे लड़ने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शुभ्रा दुबे ने किया।

हर किसी को जरूर लगवानी चाहिए ये वैक्सीन

खतरनाक बीमारियों से बचे रहेंगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में बदलती जीवनशैली, प्रदूषण और नई–नई संक्रामक बीमारियों के बढ़ते खतरे के बीच स्वास्थ्य सुरक्षा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। आमतौर पर लोगों में यह धारणा बनी रहती है कि टीकाकरण केवल बच्चों के लिए आवश्यक है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि वयस्कों को भी समय–समय पर कई महत्वपूर्ण वैक्सीन लगवानी चाहिए। यह न केवल गंभीर बीमारियों से बचाव करती हैं, बल्कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाए रखती हैं।

डॉक्टरों के अनुसार, कई ऐसी बीमारियाँ हैं जो उम्र बढ़ने के साथ या संक्रमण के संपर्क में आने से गंभीर रूप ले सकती हैं। इसलिए समय पर टीकाकरण एक प्रभावी रोकथाम का तरीका माना जाता है। विशेषज्ञों ने वयस्कों के लिए पाँच प्रमुख वैक्सीन को बेहद जरूरी बताया है।

पहला महत्वपूर्ण टीका इन्फ्लुएंजा (फ्लू) वैक्सीन है। यह हर साल बदलने वाले फ्लू वायरस से सुरक्षा प्रदान करता है। खासकर बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों के लिए यह टीका अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे हर वर्ष लगवाने की सलाह दी जाती है क्योंकि वायरस का स्वरूप लगातार बदलता रहता है।

दूसरा टीका (टेटनस, डिफ्थीरिया और पर्टुसिस) है। यह तीन गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है। डॉक्टरों का कहना है कि वयस्कों को हर 10 साल में इसका बूस्टर डोज लेना चाहिए ताकि शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बनी रहे और संक्रमण का खतरा कम हो।

तीसरा महत्वपूर्ण टीका हेपेटाइटिस बी वैक्सीन है। यह एक खतरनाक वायरल संक्रमण से बचाव करता है जो सीधे लिवर को प्रभावित करता है और आगे चलकर लिवर सिरोसिस या कैंसर का कारण बन सकता है। यह संक्रमण खून या शारीरिक द्रव के संपर्क से फैलता है, इसलिए सभी उम्र के लोगों के लिए यह टीका अत्यंत आवश्यक माना जाता है।

चौथा टीका एचपीवी वैक्सीन है। यह ह्यूमन पैपिलोमावायरस से बचाव करता है, जो महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण माना जाता है। यह वैक्सीन केवल महिलाओं के लिए ही नहीं, बल्कि पुरुषों के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अन्य संक्रमणों से भी सुरक्षा प्रदान करती है।

पाँचवां टीका कोविड–19 वैक्सीन है, जिसने महामारी के दौरान अपनी उपयोगिता साबित की है। यह संक्रमण के गंभीर प्रभावों को कम करने में मदद करती है और अस्पताल में भर्ती होने की संभावना को भी घटाती है। विशेषज्ञ समय–समय पर इसके बूस्टर डोज लेने की सलाह देते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने लगती है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में वयस्क टीकाकरण एक मजबूत सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। सही समय पर वैक्सीन लगवाकर न केवल खुद को, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी कई गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सकता है।

फिटकरी बन सकती है कूलर की गंदगी और बदबू का समाधान

यूनिक समय, नई दिल्ली। भीषण गर्मी के मौसम में कूलर हर घर की जरूरत बन जाता है, लेकिन इसके साथ कई समस्याएं भी सामने आती हैं। लंबे समय तक बंद रहने के बाद जब कूलर दोबारा चलाया जाता है तो उससे बदबू, गंदा पानी और मच्छरों की समस्या आम हो जाती है। ऐसे में विशेषज्ञों के अनुसार कूलर के पानी में फिटकरी का उपयोग एक आसान और प्रभावी घरेलू उपाय माना जाता है।

फिटकरी का उपयोग प्राचीन समय से ही पानी को शुद्ध करने के लिए किया जाता रहा है। यह एक प्राकृतिक क्लीनिंग एजेंट की तरह काम करती है, जो पानी में मौजूद अशुद्धियों को नीचे बैठा देती है। जब इसे कूलर के पानी में डाला जाता है तो यह धूल, मिट्टी और छोटे–छोटे कणों को आपस में जोड़कर भारी बना देती है, जिससे गंदगी टैंक की सतह पर बैठ जाती है और पानी साफ दिखाई देता है।

कूलर में फिटकरी डालने का एक बड़ा फायदा यह भी है कि यह बैक्टीरिया के विकास को रोकने में मदद करती है। गर्मियों में कूलर के पानी में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं, जिससे पानी में दुर्गंध आने लगती है। फिटकरी पानी के पीएच स्तर को संतुलित कर बैक्टीरिया की वृद्धि को नियंत्रित करती है, जिससे बदबू की समस्या काफी हद तक कम हो जाती है।

इसके अलावा, जिन इलाकों में खारा पानी आता है, वहां कूलर के पैड्स और पंखे पर सफेद परत जमने लगती है। फिटकरी पानी में मौजूद नमक और खनिज कणों को बांधकर नीचे बैठा देती है, जिससे कूलर के हिस्सों पर जमाव कम होता है और उसकी कार्यक्षमता बनी रहती है। इससे कूलर की उम्र भी बढ़ती है।

एक और महत्वपूर्ण फायदा यह माना जाता है कि फिटकरी का पानी मच्छरों के प्रजनन को रोकने में सहायक होता है। स्थिर पानी में अक्सर मच्छर पनपते हैं, लेकिन फिटकरी के उपयोग से पानी की गुणवत्ता बदल जाती है, जिससे मच्छरों के लार्वा विकसित नहीं हो पाते। यह गर्मियों में मच्छरों से बचाव का एक सरल घरेलू तरीका माना जाता है।विशेषज्ञों का कहना है कि फिटकरी का उपयोग सीमित मात्रा में ही करना चाहिए, क्योंकि अधिक मात्रा में इसका प्रयोग पानी के संतुलन को प्रभावित कर सकता है। आमतौर पर कूलर की टंकी में एक छोटी फिटकरी का टुकड़ा डालना पर्याप्त माना जाता है।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि फिटकरी एक सस्ता, सरल और प्रभावी उपाय है जो कूलर के पानी को साफ रखने, बदबू दूर करने और मच्छरों से बचाव में मदद करता है। सही तरीके से इसका उपयोग करके गर्मियों में कूलर के अनुभव को और अधिक आरामदायक बनाया जा सकता है।

गर्मी में राहत देगा आम–गोंद कतीरा हाइड्रेशन ड्रिंक

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर भारत में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे मौसम में केवल पानी पीना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि ऐसी डाइट की जरूरत होती है जो शरीर को ऊर्जा भी दे और अंदरूनी ठंडक भी बनाए रखे। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए आम और गोंद कतीरा से बना पारंपरिक हाइड्रेशन ड्रिंक एक बेहतरीन विकल्प माना जा रहा है।

गर्मी के मौसम में यह ड्रिंक न केवल शरीर को ठंडक देती है, बल्कि लू और हीट स्ट्रोक से बचाव में भी मददगार मानी जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व शरीर में पानी की कमी को दूर करते हैं और लंबे समय तक हाइड्रेशन बनाए रखते हैं। इस ड्रिंक को बनाने के लिए कुछ सरल सामग्री की जरूरत होती है। इसमें ठंडा पानी, पके हुए आम की प्यूरी, भीगा हुआ गोंद कतीरा, सब्जा सीड्स, पुदीने की पत्तियां, काला नमक, साधारण नमक, भुना हुआ जीरा पाउडर और चाट मसाला शामिल किया जाता है। स्वाद और ताजगी बढ़ाने के लिए इसमें बर्फ भी मिलाई जाती है। इस ड्रिंक को बनाने की प्रक्रिया भी बेहद आसान है। सबसे पहले रात में गोंद कतीरा और सब्जा सीड्स को पानी में भिगो दिया जाता है, ताकि वे फूलकर तैयार हो जाएं।

अगले दिन एक गिलास में आम की प्यूरी और ठंडा पानी मिलाया जाता है। इसके बाद इसमें भीगे हुए गोंद कतीरा और सब्जा सीड्स डाले जाते हैं। फिर स्वाद के अनुसार काला नमक, साधारण नमक, भुना जीरा पाउडर और चाट मसाला मिलाया जाता है। अंत में ताजगी के लिए पुदीने की पत्तियां और बर्फ डाली जाती है। इस तरह यह ठंडा और पोषक ड्रिंक तैयार हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस ड्रिंक में मौजूद गोंद कतीरा शरीर को ठंडक प्रदान करता है और पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है। वहीं सब्जा सीड्स शरीर में पानी की कमी को रोकते हैं और लंबे समय तक ऊर्जा बनाए रखते हैं। आम प्राकृतिक शर्करा और विटामिन्स का अच्छा स्रोत है, जो शरीर को ताजगी और ताकत देता है। पुदीना और मसाले स्वाद बढ़ाने के साथ–साथ पाचन में भी मदद करते हैं इस ड्रिंक का नियमित सेवन गर्मियों में शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने में सहायक माना जाता है। यह त्वचा को भी हाइड्रेटेड रखता है, जिससे त्वचा में प्राकृतिक चमक बनी रहती है और गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं में राहत मिलती है।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि आम और गोंद कतीरा से बना यह पारंपरिक ड्रिंक न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि गर्मी के मौसम में शरीर के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है।

सही समय पर इसका सेवन करके गर्मी के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है और शरीर को स्वस्थ व ऊर्जावान बनाए रखा जा सकता है।

भारत के टूरिस्ट हॉटस्पॉट बने कश्मीर और हिमाचल के इलाके

यूनिक समय, नई दिल्ली। चिलचिलाती गर्मी के बढ़ते प्रकोप के बीच लोग अब ऐसी जगहों की तलाश में हैं, जहां मौसम ठंडा हो, वातावरण शांत हो और प्राकृतिक सुंदरता मन को सुकून दे। अप्रैल और मई के महीने में जब मैदानी इलाकों में तापमान लगातार बढ़ता है, तब भारत के हिल स्टेशन और पहाड़ी क्षेत्र एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आते हैं। अगर आप भी इस गर्मी से राहत पाने के लिए ट्रैवल प्लान बना रहे हैं, तो कुछ खास डेस्टिनेशन्स को अपनी बकेट लिस्ट में जरूर शामिल करना चाहिए।

सबसे पहले बात करें कश्मीर की, जिसे "धरती का स्वर्ग" कहा जाता है। कश्मीर का मौसम गर्मियों में बेहद सुहावना और ठंडा रहता है। यहां की हरी–भरी घाटियां, ट्यूलिप गार्डन और गुलमर्ग की बर्फीली चोटियां पर्यटकों को खास अनुभव देती हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह

किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

इसके बाद मुन्नार, केरल एक शानदार विकल्प है। पश्चिमी घाट की गोद में बसा मुन्नार अपने चाय के बागानों, ठंडी हवाओं और हरियाली के लिए प्रसिद्ध है। गर्मियों में यहां का मौसम बेहद आरामदायक रहता है, जो शहरी गर्मी से राहत दिलाता है। शांत वातावरण और प्राकृतिक सुंदरता इसे हनीमून और फैमिली ट्रिप दोनों के लिए लोकप्रिय बनाते हैं। तीसरी जगह मनाली, हिमाचल प्रदेश है, जो युवाओं और एडवेंचर प्रेमियों की पहली पसंद मानी जाती है। अप्रैल और मई में यहां का मौसम काफी सुहावना होता है। बर्फ से ढकी पहाड़ियां, ब्यास नदी और हरे–भरे दृश्य पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यहां पैराग्लाइडिंग, रिवर राफ्टिंग और ट्रैकिंग जैसी गतिविधियाँ ट्रिप को रोमांचक बना देती हैं। चौथी और सबसे आकर्षक जगहों में से एक है लेह–लद्दाख। यह स्थान अपनी अनोखी भौगोलिक स्थिति और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। गर्मियों में भी यहां का तापमान काफी ठंडा रहता है। पैंगोंग झील का नीला पानी, नुब्रा घाटी की रेत और खारदुंग ला दर्रे की उंचाई पर्यटकों को एक अलग ही अनुभव देती है। बाइक राइडिंग और एडवेंचर गतिविधियाँ इसे और खास बनाती हैं।

इन सभी जगहों की खास बात यह है कि ये न केवल गर्मी से राहत देती हैं, बल्कि मानसिक शांति और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत अनुभव भी कराती हैं। भीड़भाड़ और प्रदूषण से दूर ये डेस्टिनेशन्स शरीर और मन दोनों को तरोताजा कर देते हैं। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि अगर आप इस गर्मी में सुकून और ठंडक की तलाश में हैं, तो कश्मीर, मुन्नार, मनाली और लेह–लद्दाख आपकी ट्रैवल बकेट लिस्ट में जरूर शामिल होने चाहिए। ये जगहें न केवल मौसम का आनंद देती हैं, बल्कि जीवनभर याद रहने वाले अनुभव भी प्रदान करती हैं।

सुविचार

हालात मुश्किल होने पर भी सकारात्मक रहें।

कल का पंचांग

तिथि	द्वादशी 06:16-06:52 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	उत्तर फाल्गुनी 09:18-10:36 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय	5:46 AM	चन्द्रोदय	03:57 PM
सूर्यास्त	6:45 PM	चंद्रास्त	04:02 AM
सूर्य राशि	मेष राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त	11:50AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	03:31 PM: 05:09 PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

साल की सबसे बड़ी एकादशी 25 जून को मनाई जाएगी

निर्जला एकादशी पर मिलेगा 24 एकादशियों का पुण्य फल

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है, लेकिन सभी एकादशियों में निर्जला एकादशी को सबसे श्रेष्ठ और फलदायी माना गया है। यह व्रत अत्यंत कठिन होता है क्योंकि इसमें बिना अन्न और जल के पूरे दिन उपवास रखा जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है और सभी एकादशियों का पुण्य फल मिलता है।

पंचांग के अनुसार, वर्ष 2026 में निर्जला एकादशी का व्रत 25 जून 2026 को रखा जाएगा। ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ 24 जून को शाम 6 बजकर 12 मिनट पर होगा और इसका समापन 25 जून को रात 8 बजकर 9 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार व्रत 25 जून को ही किया जाएगा। वहीं व्रत का पारण 26 जून 2026 को किया जाएगा। पारण का शुभ समय सुबह 6 बजकर 3 मिनट से 8 बजकर 42 मिनट तक निर्धारित किया गया है।

इस दिन पूजा के लिए ब्रह्म मुहूर्त को सबसे उत्तम माना गया है, जो 25 जून को सुबह 4 बजकर 37 मिनट से 5 बजकर 20 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 15 मिनट से 1 बजकर 8 मिनट तक रहेगा, जो पूजा के लिए एक अच्छा विकल्प माना जाता है।

निर्जला एकादशी को साल की सबसे बड़ी एकादशी इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह व्रत सबसे कठिन माना जाता है। इसमें श्रद्धालु पूरे दिन जल की एक बूंद भी ग्रहण नहीं करते और कठोर नियमों का पालन करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, जो लोग साल की सभी 24 एकादशियों का व्रत नहीं रख पाते, वे केवल निर्जला एकादशी का व्रत रखकर सभी एकादशियों का फल प्राप्त कर सकते हैं। इस एकादशी को भीमसेनी एकादशी भी कहा जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, महाभारत के भीमसेन ने इस व्रत को रखा था, इसलिए इसे यह नाम दिया गया। यह व्रत न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि आत्मसंयम और श्रद्धा का भी परिचायक माना जाता है।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि निर्जला एकादशी का व्रत श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। सही तिथि और शुभ मुहूर्त में पूजा करने से इसका पूर्ण फल प्राप्त होता है। इसलिए व्रत रखने से पहले समय और नियमों की सही जानकारी होना आवश्यक है, ताकि इस पवित्र दिन का धार्मिक लाभ पूरी तरह से प्राप्त किया जा सके।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष राशि वालों को स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है, खासकर दिल से जुड़ी समस्याओं वाले लोगों को सतर्क रहना चाहिए। आर्थिक मामलों में उम्मीद के मुताबिक लाभ न मिलने से मन थोड़ा उदास रह सकता है। कार्य में ध्यान लगाना और खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

वृषभ राशि के लिए दिन खुशी और मौज–मस्ती भरा रहेगा। सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिल सकता है, जहां किसी खास व्यक्ति से मुलाकात संभव है। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है, लेकिन रिश्तों में विश्वास बनाए रखना जरूरी है।

मिथुन राशि के जातकों को व्यापार में लाभ मिल सकता है। पुराने निवेश से थोड़ा नुकसान हो सकता है, लेकिन कुल मिलाकर दिन सकारात्मक रहेगा। प्रेम जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

कर्क राशि वालों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में ध्यान और शांति बनाए रखने की सलाह दी जाती है। छात्रों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

सिंह राशि के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है, जिससे खर्च बढ़ सकता है। हालांकि कार्यस्थल पर सहयोग मिलेगा और वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा।

कन्या राशि के लिए दिन आर्थिक रूप से बेहतर रहेगा। नए मित्र बन सकते हैं और कामकाज में सफलता मिलने की संभावना है। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

तुला राशि वालों को पैसों की कमी के कारण तनाव हो सकता है। अनावश्यक खर्च से बचना जरूरी है। अपने पसंदीदा कार्यों में समय बिताने से राहत मिलेगी।

वृश्चिक राशि के जातकों को परिवार का सहयोग मिलेगा, लेकिन मानसिक अशांति रह सकती है। जीवनसाथी से कोई सुखद सरप्राइज मिल सकता है।

धनु राशि वालों को आर्थिक मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है। सट्टेबाजी से नुकसान हो सकता है। किसी करीबी से मुलाकात दिन को बेहतर बना सकती है।

मकर राशि के लिए दिन राहत भरा रहेगा। कुछ परेशानियों का अंत हो सकता है, हालांकि जीवनसाथी के साथ पैसों को लेकर विवाद संभव है।

कुंभ राशि वालों के लिए आर्थिक समस्याओं का समाधान मिल सकता है। धन लाभ के योग बन रहे हैं और वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

मीन राशि के जातकों को अधिक खर्च करने से बचने की सलाह दी गई है, क्योंकि इससे आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। हालांकि वैवाहिक जीवन के लिए समय अनुकूल रहने वाला है।

वास्तु दोष से खराब हो रहे आपके इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के दौर में घरों में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे टीवी, फ्रिज, एसी और मिक्सर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में जब ये उपकरण बार–बार खराब होने लगते हैं, तो यह न केवल असुविधा पैदा करता है बल्कि आर्थिक नुकसान का कारण भी बनता है। कई लोग इसे तकनीकी समस्या मानते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार इसके पीछे घर में मौजूद वास्तु दोष भी एक वजह हो सकता है। वास्तु के अनुसार, बिजली से जुड़े उपकरणों का संबंध अग्नि तत्व से होता है और इसकी सही दिशा दक्षिण–पूर्व यानी आग्नेय कोण मानी जाती है। यदि इस दिशा में गंदगी, पानी का रिसाव या अव्यवस्था हो, तो यह गंभीर वास्तु दोष पैदा कर सकता है। इसके प्रभाव से घर के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बार–बार खराब होने लगते हैं। इसलिए इस दिशा को साफ और व्यवस्थित रखना बेहद जरूरी बताया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को गलत दिशा, जैसे उत्तर या उत्तर–पूर्व में रखा जाए, तो भी उनके खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। यही कारण है कि घर में उपकरणों की सही दिशा में व्यवस्था करना आवश्यक माना जाता है। इसके अलावा ज्योतिष शास्त्र में राहु ग्रह को भी बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से जोड़ा गया है। यदि कुंडली में राहु की स्थिति अशुभ हो, तो इससे भी उपकरणों में बार–बार खराबी आने लगती है। यह स्थिति धीरे–धीरे मानसिक तनाव और आर्थिक दबाव का कारण बन सकती है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, घर में खराब या टूटे हुए इलेक्ट्रॉनिक सामान को लंबे समय तक जमा नहीं रखना चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और समस्याएं और गंभीर हो सकती हैं। इसके अलावा दक्षिण–पश्चिम दिशा में कबाड़ जमा होने या तारों का बिखराव भी अशुभ माना जाता है। समाधान के तौर पर घर की साफ–सफाई बनाए रखना, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को सही दिशा में रखना और खराब सामान को तुरंत हटाना जरूरी बताया गया है। साथ ही कुछ लोग धार्मिक उपायों जैसे शनिवार को दान–पुण्य या नए उपकरण पर तिलक लगाने को भी सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने वाला मानते हैं।

उपनयन संस्कार के लिए कौन सी तिथियां हैं सबसे श्रेष्ठ

यूनिक समय, नई दिल्ली। वर्ष 2026 में उपनयन संस्कार को लेकर पंचांग विशेषज्ञों ने शुभ तिथियों की सूची जारी कर दी है। सनातन परंपरा में इस संस्कार को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इसे बालक का "दूसरा जन्म" कहा जाता है। इसी संस्कार के बाद वह वेद अध्ययन और धार्मिक अनुष्ठानों का अधिकारी बनता है, इसलिए इसका आयोजन शुभ मुहूर्त में करना आवश्यक होता है।

जारी जानकारी के अनुसार, ब्राह्मणों की छान्दोग शाखा के लिए फरवरी माह की 9, 11, 16 और 17 तारीख को विशेष शुभ योग बन रहे हैं। इन तिथियों पर ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति अनुकूल मानी गई है, जिससे संस्कार का फल अधिक शुभ और प्रभावी माना जाता है। इन मुहूर्तों में वाजसनेयी शाखा के लोग भी

उपनयन संस्कार कर सकते हैं। वहीं क्षत्रिय और वैश्य वर्ग के लिए मार्च माह को अधिक अनुकूल बताया गया है। 17 और 18 मार्च की तिथियां इन वर्गों के लिए विशेष रूप से शुभ मानी गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन दिनों ग्रहों का ऐसा संयोग बनता है जो नेतृत्व क्षमता, पराक्रम और व्यापारिक बुद्धि को मजबूत करने वाला माना जाता है।

इसके अलावा, कुछ सामान्य शुभ तिथियां भी निर्धारित की गई हैं, जिनमें सभी वर्गों के लोग उपनयन संस्कार कर सकते हैं। इनमें 7 जून, 10 जून, 13 जून, 14 जून तथा 6 और 8 जुलाई शामिल हैं। इन तिथियों पर वर्ग विशेष का कोई बंधन नहीं है और इन्हें सार्वत्रिक रूप से शुभ माना गया है।

धार्मिक विद्वानों का कहना है कि केवल तिथि का चयन ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि संस्कार के लिए लग्न, नक्षत्र, होरा और चौघड़िया का मिलान भी जरूरी होता है। इसके साथ ही संस्कार से पहले गणेश पूजन, मातृका पूजन और नांदी श्राद्ध जैसी विधियों का पालन करना अनिवार्य माना गया है। विशेषज्ञों ने अभिभावकों को सलाह दी है कि उपनयन संस्कार की तिथि तय करने से पहले अपने कुल–पुरोहित से परामर्श अवश्य लें, ताकि जन्म कुंडली और स्थानीय समय के अनुसार सबसे उपयुक्त मुहूर्त का चयन किया जा सके।

उपनयन संस्कार को बालक के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण माना जाता है, जो उसे ज्ञान, अनुशासन और संस्कारों की ओर अग्रसर करता है। इसलिए सही समय और विधि के साथ इस संस्कार का आयोजन करना अत्यंत आवश्यक है।

सम्पादकीय

उच्च शिक्षा से पहले सही मार्गदर्शन जरूरी

आज उच्च शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह एक आर्थिक निवेश बन चुकी है, जिसमें माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य की "रिटर्न ऑन इनवेस्टमेंट" के आधार पर योजना बना रहे हैं। यही कारण है कि बीते कुछ वर्षों में बीटेक, एमबीए, सीए और अन्य प्रोफेशनल कोर्स की ओर युवाओं की भीड़ लगातार बढ़ी है, भले ही उनकी व्यक्तिगत रुचि उस दिशा में न हो। लेकिन हालात अब बदल रहे हैं। फाइनेंस ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक-2026 के आंकड़े यह संकेत दे रहे हैं कि जिन डिग्रियों को कभी सफलता की गारंटी माना जाता था, वही आज रोजगार की गारंटी देने में कमजोर पड़ रही हैं। यह स्थिति भारत के लिए एक गंभीर "यक्षप्रश्न" बन चुकी है-क्या शिक्षा ज्ञान के लिए है या केवल नौकरी के लिए? बाजार की बदलती मांग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने यह साफ कर दिया है कि केवल कागजी डिग्री अब पर्याप्त नहीं है। उद्योग अब ऐसे युवाओं की तलाश में हैं जो कौशल, रचनात्मकता और समस्या समाधान की क्षमता रखते हों, न कि केवल प्रमाणपत्रों का संग्रह। इस बदलाव ने एक नई खाई भी पैदा की है। एक तरफ वे युवा हैं जो वर्षों तक डिग्री हासिल करने में समय और पैसा लगाते हैं, और दूसरी तरफ बदलता हुआ रोजगार बाजार है जो उनके ज्ञान को पुराना या अप्रासंगिक घोषित कर देता है। सबसे अधिक संकट उन गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर है, जो कर्ज लेकर या अपनी बचत और संपत्ति गिरवी रखकर शिक्षा में निवेश करते हैं। उनके लिए यह बदलाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक दबाव का कारण भी बन रहा है। इस पूरी स्थिति में सबसे बड़ी कमी सही मार्गदर्शन की है। भारत में करियर काउंसलिंग और शिक्षा मार्गदर्शन अभी भी कमजोर है। छात्र अक्सर भीड़ का अनुसरण करते हैं, न कि अपनी क्षमता या रुचि का। निजी संस्थान इस अंतर का लाभ उठाकर अधिक फीस वसूलते हैं, जबकि सरकार की भूमिका सीमित और अप्रभावी नजर आती है। अब समय आ गया है कि नीति स्तर पर बड़े बदलाव किए जाएँ। उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश क्षमता का यथार्थवादी मूल्यांकन हो, और हर क्षेत्र में केवल डिग्री नहीं बल्कि कौशल आधारित प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही स्कूल स्तर से ही करियर मार्गदर्शन की मजबूत व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि युवा सही समय पर सही निर्णय ले सकें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीकी बदलाव ने भविष्य के रोजगार बाजार को पूरी तरह बदल दिया है। यदि समय रहते शिक्षा प्रणाली को नहीं बदला गया, तो डिग्रियों का बोझ और बेरोजगारी का संकट और गहरा हो सकता है। अंततः यह स्पष्ट है कि भारत की शिक्षा प्रणाली को अब "डिग्री केंद्रित" से "कौशल केंद्रित" बनना ही होगा। यही बदलाव आने वाली पीढ़ी को निराशा से बचा सकता है और देश को वास्तविक मानव संसाधन शक्ति में बदल सकता है।

पवन गौतम
संपादक

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

ट्रंप से लेकर व्हाइट हाउस तक हड़कंप

अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

बोध प्रकाश सगुणी

दुनिया की राजनीति में अमेरिका को लंबे समय से "वैश्विक थानेदार" कहा जाता रहा है। यह वह देश है जिसने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से लेकर आज तक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को दिशा देने में सबसे निर्णायक भूमिका निभाई है। सैन्य शक्ति, आर्थिक प्रभाव, तकनीकी नवाचार और सांस्कृतिक प्रभुत्व-इन सबके बल पर अमेरिका ने स्वयं को एक ऐसी शक्ति के रूप में स्थापित किया है, जिसकी उपस्थिति के बिना वैश्विक निर्णय अधूरे माने जाते हैं। लेकिन इस शक्ति के पीछे एक गहरा विरोधाभास भी छिपा है। जो देश दुनिया की सुरक्षा का दावा करता है, वही देश और उसके शीर्ष नेता कई बार भीतर से असुरक्षित, तनावग्रस्त और विभाजित दिखाई देते हैं। डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेताओं के संदर्भ में यह विरोधाभास और भी स्पष्ट हो जाता है, जहाँ बाहरी शक्ति के बावजूद आंतरिक असुरक्षा की भावना बार-बार उभरकर सामने आती है। यह प्रश्न केवल किसी एक नेता का नहीं है, बल्कि उस पूरे अमेरिकी राजनीतिक और सामाजिक ढांचे का है, जो एक ओर अत्यंत शक्तिशाली है और दूसरी ओर लगातार अस्थिरता से जूझता हुआ प्रतीत होता है।

इस स्थिति को समझने के लिए सबसे पहले यह देखना जरूरी है कि अमेरिका ने वैश्विक नेतृत्व की जो भूमिका अपनाई, वह अपने आप में एक अत्यंत जटिल और दबावपूर्ण जिम्मेदारी है। जब कोई देश स्वयं को दुनिया का नेतृत्वकर्ता मानता है, तो उसके हर निर्णय पर वैश्विक प्रतिक्रिया होती है। हर सैन्य हस्तक्षेप, हर आर्थिक नीति और हर कूटनीतिक कदम अंतरराष्ट्रीय आलोचना और समर्थन दोनों को जन्म देता है। यह स्थिति किसी भी राष्ट्र के लिए एक स्थायी दबाव का निर्माण करती है। अमेरिका ने शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ के खिलाफ जो भूमिका निभाई, उसके बाद वह एकध्रुवीय विश्व का केंद्र बन गया, लेकिन समय के साथ यह स्थिति बदलने लगी और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था ने आकार लेना शुरू किया। इस बदलाव ने अमेरिका की "अपरिहार्यता" को चुनौती दी और धीरे-धीरे उसकी वैश्विक स्थिति पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही। जब कोई शक्ति अपने प्रभाव को घटते हुए महसूस करती है, तो उसके भीतर रणनीतिक असुरक्षा उत्पन्न होना स्वाभाविक है। इसी वैश्विक परिदृश्य के साथ-साथ अमेरिका की आंतरिक राजनीति भी अत्यंत ध्रुवीकृत होती चली गई है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट के बीच का विभाजन अब केवल विचारधारा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह समाज, संस्कृति और पहचान की लड़ाई में बदल चुका है। डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति ने इस विभाजन को और अधिक तीखा बना दिया। "अमेरिका फर्स्ट" जैसी नीतियों ने जहां एक वर्ग को मजबूत किया, वहीं दूसरे वर्ग में गहरी चिंता और विरोध की भावना पैदा की। इस तरह का राजनीतिक वातावरण किसी भी नेता के लिए स्थिरता नहीं बल्कि निरंतर संघर्ष की

स्थिति पैदा करता है। जब राजनीतिक विरोध केवल नीतियों तक सीमित न रहकर व्यक्तिगत और संस्थागत टकराव में बदल जाता है, तो सत्ता में बैठे व्यक्ति हमेशा एक रक्षात्मक स्थिति में आ जाते हैं। यही रक्षात्मक मानसिकता कई बार असुरक्षा के रूप में दिखाई देती है। इसके साथ ही अमेरिका में कानूनी और संस्थागत ढांचा भी अत्यंत सक्रिय और स्वतंत्र है, जो नेताओं पर लगातार निगरानी रखता है। यह लोकतंत्र की ताकत है, लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी है। जब कोई पूर्व या वर्तमान राष्ट्रपति कानूनी मामलों, जांचों और राजनीतिक विवादों से घिरा होता है, तो उसका पूरा राजनीतिक भविष्य अनिश्चितता के घेरे में आ जाता है। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ चल रहे कई मामलों ने यह दिखाया है कि अमेरिकी प्रणाली में कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है, लेकिन इससे यह भी स्पष्ट होता है कि सत्ता में रहने वाला व्यक्ति भी लगातार दबाव और अस्थिरता के बीच कार्य करता है। इसी बीच वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव ने अमेरिका की स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। चीन का आर्थिक उदय, रूस की सैन्य सक्रियता और भारत जैसे देशों की बढ़ती भूमिका ने दुनिया को बहुध्रुवीय बना दिया है। अब अमेरिका वह अकेला केंद्र नहीं रहा जिसके इर्द-गिर्द पूरी दुनिया घूमती हो। यह बदलाव किसी भी स्थापित शक्ति के लिए मनोवैज्ञानिक चुनौती पैदा करता है। दशकों तक जो देश निर्णयों का केंद्र रहा हो, जब वह खुद को प्रतिस्पर्धा में पाता है, तो उसके भीतर असुरक्षा की भावना पैदा होना स्वाभाविक है। अमेरिकी समाज के भीतर मौजूद आर्थिक असमानता भी इस असुरक्षा को और गहरा करती है। एक ओर अत्यधिक संपन्न वर्ग है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था का लाभ उठा रहा है, तो दूसरी ओर एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आवास की समस्या से जूझ रहा है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव को भी जन्म देती है। जहां असमानता अधिक होती है, वहां अपराध और असंतोष की संभावना भी बढ़ जाती है। अमेरिका में बेघर लोगों की बढ़ती संख्या और ओपिऑइड संकट इस सामाजिक असंतुलन के स्पष्ट संकेत हैं। इसी सामाजिक संरचना में हथियार संस्कृति एक और जटिल परत जोड़ देती है। अमेरिका में नागरिकों के पास हथियार रखने का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन इसके परिणामस्वरूप हिंसक घटनाओं का जोखिम भी अधिक रहता है। छोटी-छोटी घटनाएँ भी बड़े हादसों में बदल जाती हैं। स्कूलों, सार्वजनिक स्थानों और राजनीतिक आयोजनों में होने वाली गोलीबारी की घटनाएँ समाज में एक स्थायी भय का वातावरण पैदा करती हैं। यह भय वास्तविक अपराध दर से कहीं अधिक व्यापक मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालता है। मीडिया और सोशल मीडिया इस भय को और अधिक बढ़ाते हैं। अमेरिका में सूचना का प्रवाह अत्यंत तेज और निरंतर है। 24 घंटे चलने वाले समाचार चैनल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म घटनाओं को तत्काल और कई बार सनसनीखेज तरीके से प्रस्तुत करते हैं। इससे समाज में वास्तविकता और धारणा के बीच एक बड़ा अंतर पैदा हो जाता है। लोग वास्तविक खतरे से अधिक उसके प्रचार से प्रभावित होने लगते हैं। यह स्थिति फियर इकोनॉमी को जन्म देती है, जहाँ डर स्वयं एक सामाजिक उत्पाद बन जाता है। इसके अलावा अमेरिकी सुरक्षा प्रणाली अत्यंत उन्नत होने के बावजूद कई बार घटनाओं के बाद प्रतिक्रिया देने वाली प्रणाली बनकर रह जाती है। सुधार और बदलाव अक्सर किसी घटना के बाद किए जाते हैं, न कि उसके पहले। यह मॉडल सुरक्षा को स्थायी नहीं बनाता, बल्कि प्रतिक्रियात्मक बनाता है। इसी कारण सुरक्षा में चूक की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रहती हैं, जिससे नेताओं और जनता दोनों में असुरक्षा की भावना और बढ़ती है। अमेरिकी समाज का जीवनशैली आधारित तनाव भी इस पूरे परिदृश्य को प्रभावित करता है। तेज जीवन, प्रतिस्पर्धा, मानसिक दबाव और सामाजिक अलगाव ने एक ऐसे समाज का निर्माण किया है जहाँ बाहरी समृद्धि के बावजूद आंतरिक तनाव बढ़ता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य संकट और नशे की समस्या इस तनाव को और गहरा करते हैं। इन सभी कारकों को मिलाकर देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि अमेरिका की असुरक्षा केवल सुरक्षा व्यवस्था की समस्या नहीं है। यह एक बहुआयामी संरचनात्मक स्थिति है, जिसमें राजनीति, समाज, अर्थव्यवस्था, मीडिया और वैश्विक भूमिका सभी एक साथ जुड़ी हुई हैं। डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेताओं के अनुभव इस व्यापक वास्तविकता का केवल एक उदाहरण हैं। अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका आज भी दुनिया की सबसे शक्तिशाली शक्ति है, लेकिन उसकी यह शक्ति उसे पूर्ण सुरक्षा नहीं देती। बल्कि यह शक्ति उसके ऊपर निरंतर दबाव, निगरानी और चुनौती का एक ऐसा वातावरण बनाती है जिसमें स्थिरता हमेशा प्रश्नों के घेरे में रहती है। यही कारण है कि दुनिया का "थानेदार" कहलाने वाला देश स्वयं भी कई बार असुरक्षा की भावना से जूझता दिखाई देता है। यह विरोधाभास आधुनिक वैश्विक व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण सच्चाइयों में से एक है, जहाँ शक्ति और असुरक्षा एक साथ अस्तित्व में रहते हैं।

विचार विण्डो

भारत में इथेनॉल नीति से तेल निर्भरता घटने की उम्मीद

राम प्रकाश शर्मा

हाल के वर्षों में वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था कितनी अस्थिर और बाहरी घटनाओं पर निर्भर है। भारत जैसे देशों के लिए, जो अपनी कच्चे तेल की लगभग 85 प्रतिशत जरूरतें आयात से पूरी करते हैं, यह स्थिति केवल अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय नहीं बल्कि सीधे आर्थिक दबाव का कारण भी बनती है। इसका असर महंगाई, चालू खाते के घाटे और राजकोषीय असंतुलन के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

इसी पृष्ठभूमि में इथेनॉल मिश्रण एक महत्वपूर्ण रणनीतिक विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है। यह केवल एक तकनीकी ईंधन विकल्प नहीं है, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा, कृषि अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय नीति को जोड़ने वाली एक व्यापक नीति दिशा है। पेट्रोल में इथेनॉल मिलाकर उपयोग करने की यह व्यवस्था धीरे-धीरे देश को आयात निर्भरता से मुक्त करने की क्षमता रखती है। भारत ने पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जहां वर्ष 2013 में इथेनॉल मिश्रण का स्तर मात्र 1.5 प्रतिशत था, वहीं 2024 तक यह लगभग 18 प्रतिशत तक पहुंच गया है। सरकार ने 2025-26 तक इसे 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। यह केवल आंकड़ों की वृद्धि नहीं है, बल्कि ऊर्जा नीति में एक संरचनात्मक बदलाव का संकेत है। नीति आयोग के अनुसार, आने वाले दशकों में भारत की ऊर्जा मांग दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ने वाली है। ऐसे में यदि ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण समय रहते नहीं किया गया, तो वैश्विक आपूर्ति में किसी भी तरह की बाधा भारत की अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। इथेनॉल मिश्रण इसी चुनौती का एक व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करता है।इस नीति का सबसे बड़ा लाभ विदेशी मुद्रा की बचत के रूप में सामने आता है। अनुमान है कि इथेनॉल मिश्रण से भारत हर वर्ष लगभग 30,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा बचा सकता है। इसके साथ ही लगभग 10 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आने की संभावना भी है, जो इसे पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाता है। इथेनॉल मुख्यतः गन्ना, मक्का और कृषि अवशेषों से तैयार किया जाता है। यह कृषि क्षेत्र को ऊर्जा क्षेत्र से जोड़ने वाली एक अनूठी कड़ी बनाता है। इससे किसानों को अतिरिक्त आय का स्रोत मिलता है और कृषि अपशिष्टों के उपयोग से पर्यावरणीय समस्याओं में भी कमी

आती है। विशेष रूप से पराली जलाने जैसी गंभीर समस्या के समाधान में यह नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। हालांकि इस दिशा में कुछ चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ना जैसी जल-गहन फसलों पर अत्यधिक निर्भरता कई क्षेत्रों में जल संकट को बढ़ा सकती है। इसी कारण अब नीति स्तर पर मक्का और कृषि अवशेषों से इथेनॉल उत्पादन को अधिक बढ़ावा दिया जा रहा है। यह परिवर्तन न केवल संसाधनों के संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करता है, बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। इथेनॉल मिश्रण को सफल बनाने के लिए केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसके लिए मजबूत आधारभूत संरचना भी आवश्यक है। भंडारण, परिवहन और वितरण प्रणाली को आधुनिक और कुशल बनाना होगा। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल उद्योग को भी ऐसे वाहनों के निर्माण पर ध्यान देना होगा जो उच्च इथेनॉल मिश्रण पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय अनुभव इस नीति की संभावनाओं को और स्पष्ट करते हैं। ब्राजील में इथेनॉल मिश्रण लगभग 27 प्रतिशत तक पहुंच चुका है और वहां बड़ी संख्या में ऐसे वाहन मौजूद हैं जो पूरी तरह इथेनॉल पर चल सकते हैं। वहीं अमेरिका में लगभग 10 प्रतिशत मिश्रण सामान्य रूप से उपयोग किया जाता है। इन देशों के अनुभव बताते हैं कि इथेनॉल मिश्रण केवल नीति नहीं बल्कि एक दीर्घकालिक आर्थिक और तकनीकी रणनीति है। भारत के लिए यह नीति इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ऊर्जा सुरक्षा और कृषि अर्थव्यवस्था दोनों को एक साथ मजबूत करती है। एक ओर यह तेल आयात पर निर्भरता को कम करती है, तो दूसरी ओर किसानों की आय बढ़ाने में मदद करती है। यह "डबल बेनिफिट मॉडल" भारत जैसी कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकता है। इसके अलावा, इथेनॉल मिश्रण भारत की पर्यावरण नीति के लिए भी महत्वपूर्ण है। कार्बन उत्सर्जन में कमी और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में यह एक व्यावहारिक कदम है। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच यह नीति भारत को वैश्विक पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाने में भी मदद करती है। हालांकि, यह भी सत्य है कि केवल इथेनॉल मिश्रण ही भारत की ऊर्जा समस्या का पूर्ण समाधान नहीं है। आने वाले समय में भारत को एक संतुलित ऊर्जा रणनीति अपनानी होगी जिसमें इथेनॉल, विद्युत वाहन, सौर ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय स्रोतों का समुचित मिश्रण शामिल हो। ऊर्जा सुरक्षा का भविष्य किसी एक स्रोत पर नहीं, बल्कि विविध और संतुलित ऊर्जा संरचना पर निर्भर करेगा। इसके साथ ही नीति निर्माण में दीर्घकालिक दृष्टिकोण आवश्यक है। यदि इथेनॉल उत्पादन को केवल कृषि लाभ तक सीमित रखा गया, तो यह अस्थायी समाधान बनकर रह जाएगा। लेकिन यदि इसे तकनीकी नवाचार, औद्योगिक निवेश और वैज्ञानिक अनुसंधान से जोड़ा गया, तो यह भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता का मजबूत आधार बन सकता है। अंततः यह कहा जा सकता है कि इथेनॉल मिश्रण केवल एक ईंधन विकल्प नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। यह नीति कृषि, उद्योग, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था-चारों को एक साथ जोड़ती है। यदि भारत इस दिशा में संतुलित और दूरदर्शी नीति के साथ आगे बढ़ता है, तो वह न केवल ऊर्जा संकट से निपट सकता है, बल्कि एक स्थायी, सुरक्षित और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य की ओर निर्णायक कदम भी बढ़ा सकता है।

पाकिस्तानी एक्सपर्ट का दावा, वैभव के बैट की जांच हो

सूर्यवंशी की बल्लेबाजी पर सवाल क्रिकेट जगत में बहस तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन से चर्चा में आए युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब एक नए विवाद में घिर गए हैं। पाकिस्तान के क्रिकेट विश्लेषक नौमान नियाज ने उनके खेल पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि उनके बल्ले में "एआई चिप" यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल हो सकता है, जिससे उनके शॉट्स अधिक ताकतवर हो रहे हैं।

एक टीवी कार्यक्रम के दौरान नियाज ने कहा कि सूर्यवंशी के बल्ले की लैब में जांच होनी चाहिए, जैसे खिलाड़ियों का डोपिंग टेस्ट किया जाता है। उन्होंने इसे " अविश्वसनीय" बताते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में इतनी ताकत और तकनीक होना शक पैदा करता है।

हालांकि उनके इस बयान को क्रिकेट जगत में कई लोगों ने बेबुनियाद और अतिरंजित बताया है।

दरअसल,आईपीएल 2026 में सूर्यवंशी ने अपने दमदार प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है। हाल ही में उन्होंने 37 गेंदों में शतक जड़कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी बल्लेबाजी में बेहतरीन टाइमिंग, कलाई का उपयोग और तकनीकी मजबूती साफ दिखाई देती है।

क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि उनकी सफलता के पीछे उनकी मेहनत और प्रतिभा है, न कि किसी तरह की तकनीकी मदद। "कृत्रिम बुद्धिमत्ता" जैसे आरोपों को अधिकतर लोग केवल चर्चा बटोरने का प्रयास मान रहे हैं। फिलहाल, इस मामले पर किसी भी आधिकारिक संस्था ने जांच की पुष्टि नहीं की है। दूसरी ओर, सूर्यवंशी अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करते हुए लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और मैदान पर ही अपने आलोचकों को जवाब दे रहे हैं।

फैन ने खींचा अभिषेक शर्मा का हाथ, मचा हड़कंप

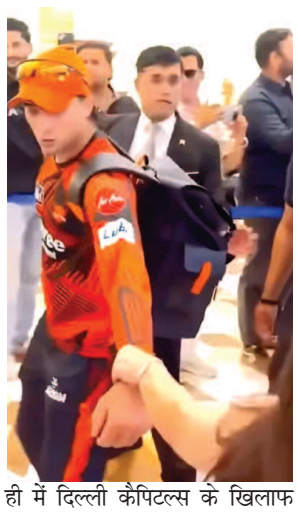

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में शानदार फॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा के साथ जयपुर में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। सनराइजर्स हैदराबाद टीम जब मैच के लिए होटल से बाहर निकल रही थी, तभी भीड़ में मौजूद एक लड़की ने अचानक अभिषेक का हाथ पकड़कर अपनी तरफ खींच लिया। इस अप्रत्याशित घटना से कुछ पल के लिए सभी चौंक गए।

हालांकि, मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए स्थिति को संभाला और अभिषेक को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद अभिषेक मुस्कुराते हुए नजर आए, जिससे माहौल सामान्य हो गया।

यह घटना उस समय हुई जब टीम आईपीएल 2026 के तहत राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबला खेलने जा रही थी। इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। अभिषेक शर्मा इस सीजन बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 135 रनों की नाबाद पारी खेली थी और अब तक कई अर्धशतक भी जड़ चुके हैं। उनके शानदार प्रदर्शन के चलते वे ऑरेंज कैप की दौड़ में भी आगे चल रहे हैं। फैंस के बीच उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, लेकिन इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

लारा दत्ता की बेटी सायरा का वीडियो वायरल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता की बेटी सायरा भूपति इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हाल ही में शेयर किए गए एक वीडियो में मां–बेटी की शानदार बॉन्डिंग और सायरा की मासूम अदाएं लोगों का दिल जीत रही हैं।

वीडियो में लारा और सायरा मस्ती भरे अंदाज में डांस करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान दोनों की केमिस्ट्री और सादगी फैंस को काफी पसंद आ रही है। खास बात यह है कि यह वीडियो किसी ग्लैमरस सेट पर नहीं, बल्कि घर के सामान्य माहौल में शूट किया गया है, जिससे इसकी नैचुरल अपील और बढ़ गई है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही फैंस और सेलेब्रिटीज ने जमकर प्रतिक्रिया दी। कई यूजर्स ने सायरा की खूबसूरती की तारीफ करते हुए उन्हें भविष्य की स्टार तक बता दिया। कुछ ने उनकी तुलना इंटरनेशनल मॉडल्स से भी की, तो वहीं कई लोगों ने कहा कि वह अपनी मां से भी आगे निकल सकती हैं।

गौरतलब है कि लारा दत्ता अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लाइमलाइट से दूर रखती हैं, लेकिन ऐसे खास पलों को फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। यह वीडियो भी उन्हीं खास झलकियों में से एक है, जिसने इंटरनेट पर लोगों का ध्यान खींच लिया है।

प्रेग्नेंसी के बीच भी 'किंग' और 'राका' में रहेंगी दीपिका?

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दूसरी प्रेग्नेंसी की खबर सामने आने के बाद उनकी आने वाली फिल्मों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या वह किंग और राका का हिस्सा बनी रहेंगी या नहीं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका ने खुद फिल्म मेकर्स को कॉल कर अपनी स्थिति की जानकारी दी और शूटिंग शेड्यूल को मैनेज करने का भरोसा भी दिलाया। सूत्रों के अनुसार, वह अपनी प्रोफेशनल कमिटमेंट्स को पूरा करने के लिए पूरी कोशिश कर रही हैं।

बताया जा रहा है कि वह पहले से तय शेड्यूल के अनुसार कुछ हिस्सों की शूटिंग पूरी करेंगी, जिसमें गाने और अहम सीन शामिल हैं। इसके बाद वह भारत लौटकर बाकी शूटिंग भी पूरी कर सकती हैं। हालांकि, उनकी प्रेग्नेंसी को देखते हुए शेड्यूल में कुछ बदलाव संभव हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में दीपिका कुछ प्रोजेक्ट्स से बाहर होने को लेकर भी चर्चा में थीं, लेकिन अब उनके इस फैसले ने साफ कर दिया है कि वह काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही हैं।

मिहिर की रियल लाइफ 'तुलसी' हैं सफल बिजनेसवुमन

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी के मशहूर अभिनेता अमर उपाध्याय, जिन्होंने सुपरहिट शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी में 'मिहिर' का किरदार निभाकर घर–घर में पहचान बनाई, उनकी रियल लाइफ पार्टनर भी कम दिलचस्प नहीं हैं। शो में स्मृति ईरानी के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया, लेकिन असल जिंदगी में उनकी 'तुलसी' लाइमलाइट से दूर रहती हैं।

अमर उपाध्याय की पत्नी हेतल उपाध्याय न तो मॉडल हैं और न ही एक्ट्रेस, बल्कि एक सफल बिजनेसवुमन हैं। वह रियल एस्टेट कंपनी 'जलराम इको होम्स' की सीईओ हैं और अपने काम को लेकर काफी सक्रिय रहती हैं।

दोनों की शादी अरेंज मैरिज के जरिए हुई थी और सादगी भरे स्वभाव के कारण हेतल ने अमर का दिल जीत लिया था। अमर ने अपने कई इंटरव्यू में बताया है कि उनके करियर के कठिन समय में उनकी पत्नी ने हमेशा उनका साथ दिया।

करीब 25 साल से ज्यादा समय से साथ रह रहे इस कपल के दो बच्चे भी हैं। भले ही हेतल ग्लैमर वर्ल्ड से दूर रहती हैं, लेकिन अमर के लिए वह उनकी सबसे बड़ी ताकत और सपोर्ट सिस्टम हैं।

सूर्यकुमार के बाद कौन संभालेगा टीम इंडिया कप्तानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में इन दिनों कप्तानी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम ने हाल ही में टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जरूर जीता, लेकिन खुद कप्तान का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। लगातार खराब फॉर्म के चलते अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या वे आगे भी कप्तान बने रहेंगे या नहीं।

सूर्यकुमार यादव का बल्ला पिछले कुछ मैचों में खामोश नजर आया है। हालांकि उन्हें अच्छी शुरुआत मिल रही है, लेकिन वे उसे बड़ी पारी में बदलने में सफल नहीं हो पा रहे। इसी वजह से टीम के प्रदर्शन और उनकी कप्तानी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर यह चर्चा भी तेज है कि

चयनकर्ता अब नए कप्तान की तलाश कर सकते हैं।

अगर कप्तानी में बदलाव होता है तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगला कप्तान कौन होगा। इस दौड़ में हार्दिक पांड्या का नाम जरूर सामने आता है, लेकिन उनकी हालिया कप्तानी और टीम के प्रदर्शन को देखते हुए उनकी दावेदारी थोड़ी कमजोर मानी जा रही है। ऐसे में एक नाम तेजी से उभरकर सामने आया है–श्रेयस अय्यर। आईपीएल 2026 में उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है। उनकी टीम लगातार जीत दर्ज कर रही है और खिताब की मजबूत दावेदार मानी जा रही है। इसके साथ ही अय्यर का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी बेहतरीन रहा है, जिससे उनकी दावेदारी और मजबूत हो गई है। उम्र और फिटनेस के लिहाज से भी अय्यर आगे नजर आते हैं। जहां सूर्यकुमार यादव 35 वर्ष के करीब हैं, वहीं अय्यर अपेक्षाकृत युवा हैं और लंबे समय तक टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। इसके अलावा वे मध्यक्रम में उसी पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हैं, जहां टीम को स्थिरता की जरूरत होती है।

हालांकि अंतिम फैसला बीसीसीआई और चयन समिति को लेना है। लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए यह साफ है कि टीम इंडिया की कप्तानी को लेकर आने वाले समय में बड़ा फैसला देखने को मिल सकता है।

मंटोला क्षेत्र में केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग

केमिकल ड्रम फटने से गूंजे धमाके

यूनिक समय, आगरा। आगरा के मंटोला क्षेत्र में सोमवार को एक केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में अफरातफरी मचा दी। घनी आबादी के बीच स्थित इस फैक्ट्री में अचानक आग भड़क उठी, जिसने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। फैक्ट्री में मौजूद ज्वलनशील रसायनों के कारण आग तेजी से फैलती गई और हालात बेकाबू होते नजर आए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फैक्ट्री के अंदर रखे केमिकल ड्रम एक-एक कर फटने लगे, जिससे जोरदार धमाके सुनाई देने लगे। इन धमाकों से आसपास के लोग दहशत में आ गए और अपने घरों से बाहर निकल आए। देखते ही देखते आग की लपटें पास की इमारतों तक पहुंचने लगीं, जिससे खतरा और बढ़ गया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। हालांकि केमिकल की वजह से आग बुझाना काफी चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। स्थानीय लोग भी राहत कार्य में सहयोग कर रहे हैं, लेकिन स्थिति अभी पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आ सकी है।

बताया जा रहा है कि यह फैक्ट्री लतीफ नामक व्यक्ति की है, जहां जूता निर्माण में इस्तेमाल होने वाले रसायन बड़ी मात्रा में रखे थे। एसीपी कोतवाली भी मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा ले रहे हैं और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है और जांच जारी है। इस घटना ने घनी आबादी वाले इलाकों में खतरनाक केमिकल फैक्ट्रियों के संचालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन की प्राथमिकता आग पर जल्द काबू पाना और किसी भी जान-माल के नुकसान को रोकना है।

- फायर ब्रिगेड के सामने चुनौतीपूर्ण हालात
- राहत-बचाव कार्य में जुटी टीमें
- जांच के घेरे में फैक्ट्री संचालन
- घनी आबादी में लगी आग ने बढ़ाई चिंता

जौनपुर में भीषण सड़क हादसा, तीन की मौत

यूनिक समय, जौनपुर। जौनपुर जिले में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने तीन परिवारों को उजाड़ दिया। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र में जौनपुर-रायबरेली हाईवे पर सतहरिया पुलिया के पास तेज रफ्तार ट्रक ने सवारियों से भरे ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और वह सड़क किनारे खाई में जा पलटा।

हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतहरिया में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत व बचाव कार्य शुरू किया। ऑटो में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने छह में से तीन को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान प्रमोद कुमार मिश्र, शिव शंकर शर्मा और बरसाती के रूप में हुई है। वहीं घायलों में राकेश बिंद, प्रणव पांडेय और अजीत यादव शामिल हैं। घटना के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है, जबकि पुलिस फरार ट्रक चालक की तलाश में जुटी है।

फर्रूखाबाद हादसा: डंपर-ऑटो टक्कर में तीन लोगों की मौत

यूनिक समय, फर्रूखाबाद। जिले में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना राजेपुर थाना क्षेत्र के बरेली-इटावा हाईवे पर जमापुर के पास हुई, जहां तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई।

हादसे में हब्बापुर निवासी सतेन्द्र, उनकी पत्नी तन्नू (30) और युवराज की जान चली गई। वहीं चालक दिलीप, रामकरण, पुष्पा, अंशू, पवन और आशा घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर होने पर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि सभी लोग शाहजहांपुर में एक शादी संबंधी पंचायत में शामिल होने जा रहे थे। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि ऑटो गलत दिशा में चल रहा था, जिससे यह हादसा हुआ। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और मामले की जांच जारी है। हादसे से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

बांदा में तपिश का कहर 50 डिग्री सेल्सियस का अलर्ट

यूनिक समय, बांदा। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। बांदा जिला लगातार दूसरे दिन देश का सबसे गर्म स्थान बना हुआ है, जहां तापमान खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। रविवार को बांदा में अधिकतम तापमान 46.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले पारा 47.7 डिग्री तक पहुंच चुका था। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका जताई है, जिससे लोगों की चिंता और बढ़ गई है।

वहीं कानपुर में भी गर्मी ने 56 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। यहां अप्रैल महीने में तापमान 44.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो 1971 के बाद सबसे अधिक है। पूरे उत्तर भारत में तापमान 40 से 45 डिग्री के बीच बना हुआ है, जिससे लू का प्रकोप तेज हो गया है।

तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिल रहा है। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। गर्मी से बचने के लिए लोग खीरा, ककड़ी और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा ले रहे हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में लू का असर जारी रहेगा, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट है। विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने और अधिक से अधिक पानी पीने की सलाह दी है।

जनता दर्शन में सख्त दिखे सीएम योगी

अधिकारियों को लापरवाही पर दी चेतावनी

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने एक बार फिर जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर शिकायत का समाधान तय समय सीमा में होना चाहिए और पीड़ित को इसकी जानकारी भी दी जाए।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने एक-एक फरियादी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनके प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। खासतौर पर राजस्व और पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों पर उन्होंने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि "हीलाहवाली बिल्कुल नहीं चलेगी।" उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता के साथ काम करने और जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देने को कहा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से यह भी अपील की कि वे पहले अपने जिले के अधिकारियों से संपर्क करें, ताकि स्थानीय स्तर पर ही समस्याओं का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में अनावश्यक रूप से लंबी यात्रा कर परेशान न हों, सरकार हर स्तर पर सुनवाई सुनिश्चित कर रही है। 'जनता दर्शन' में एक मानवीय पहलू भी देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री ने बच्चों से बातचीत की और उन्हें चॉकलेट देकर स्नेह जताया। बच्चों की मुस्कान ने कार्यक्रम का माहौल हल्का कर दिया।

कार्यक्रम के समापन के बाद मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल के चुनावी दौरे के लिए रवाना हो गए, जहां वे जनसभाओं और रोड शो के जरिए पार्टी के पक्ष में माहौल बनाएंगे।

गाजीपुर कांड पर सियासत तेज अखिलेश का सरकार पर हमला

यूनिक समय, लखनऊ। गाजीपुर में नाबालिग लड़की की मौत के मामले को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है और महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं।

अखिलेश यादव ने पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने वाला बिल पारित हो चुका है, लेकिन इसे लागू करने में देरी की जा रही है।

वहीं, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से ओम प्रकाश राजभर ने बयान देते हुए कहा कि सपा के लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीमित संख्या में अनुमति मिलने के बावजूद बड़ी संख्या में लोग गाजीपुर पहुंचे।

इस मामले को लेकर अब कांग्रेस भी सक्रिय हो गई है और उसका प्रतिनिधिमंडल गाजीपुर जाकर रिपोर्ट तैयार करेगा। घटना के बाद प्रदेश में कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

सार संक्षेप

दिल्ली फ्लाईओवर हादसा दो युवकों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के मुकुंदपुर फ्लाईओवर पर रविवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गई, जिसमें दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक युवक नीचे बह रहे नाले में जा गिरा, जिसकी बाद में तलाश की गई। पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को अस्पताल भेजा गया। दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और परिजनों को सूचना दे दी गई है।

महाराष्ट्र में अनोखी योजना: बंदर पकड़ो 600 रुपये पाओ

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र में बढ़ते मानव–वानर संघर्ष को देखते हुए वन विभाग ने नई योजना शुरू की है। इसके तहत यदि कोई व्यक्ति बंदर पकड़ता है तो उसे 600 रुपये का इनाम मिलेगा। यह आदेश 22 अप्रैल को जारी किया गया है। राज्य में रिझस मकाक और हनुमान लंगूर की बढ़ती संख्या से लोगों को परेशानी हो रही है। ये कई बार घरों में घुसकर नुकसान पहुंचाते हैं और राहगीरों पर हमला भी करते हैं। वन विभाग के अनुसार पकड़े गए बंदरों को जाल और पिंजरे की मदद से सुरक्षित पकड़कर 10 किलोमीटर दूर जंगल में छोड़ा जाएगा।

किसानों के लिए बड़ा फैसला: खराब गेहूं भी खरीदेगी सरकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। मोहन यादव ने किसानों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए घोषणा की है कि 50% तक खराब चमक वाला गेहूं भी सरकार खरीदेगी। उन्होंने कहा कि किसान घबराएं नहीं, राज्य सरकार पूरी तरह उनके साथ है। मध्य प्रदेश सरकार ने कम विकसित दानों की सीमा भी 6% से बढ़ाकर 10% कर दी है, जिससे अधिक किसानों को राहत मिलेगी। इसके साथ ही मध्य प्रदेश में कृषि उत्पादन और आय बढ़ाने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं।

कनाडा में सिख बुजुर्ग पर नस्लीय हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। कनाडा के ओंटारियो प्रांत के वुडस्टॉक शहर में एक सिख बुजुर्ग पर नस्लीय हमला हुआ। एक युवक ने उन्हें फुटपाथ पर चलते समय धक्का दिया और नस्लभेदी गालियां देते हुए कहा कि "मेरे देश से बाहर निकल जाओ"। पुलिस ने इसे नफरत से प्रेरित हमला मानते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

ड्रेनेज टैंक हादसा: तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। पूणे के पुरंदर तालुका में एक मशरूम उत्पादन कंपनी के ड्रेनेज टैंक में जहरीली गैस के कारण तीन मजदूरों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, एक मजदूर सफाई के लिए टैंक में उतरा लेकिन वापस नहीं आया। उसे बचाने के लिए दो अन्य मजदूर भी नीचे गए, लेकिन तीनों बाहर नहीं निकल सके। बाद में स्थानीय लोगों ने उन्हें बाहर निकाला। महाराष्ट्र पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हिमाचल में राष्ट्रपति का छह दिन का दौरा

लाहौल घाटी तैयार, राष्ट्रपति के आगमन से बढ़ी उत्सुकता और सुरक्षा

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू आज से हिमाचल प्रदेश के छह दिवसीय दौरे पर पहुंच रही हैं। वह आज से 2 मई तक प्रदेश में ग्रीष्मकालीन प्रवास पर रहेंगी। इस दौरान उनका मुख्य ठिकाना शिमला के पास छराबड़ा स्थित राष्ट्रपति निवास 'रिट्रीट' रहेगा।

राष्ट्रपति के कार्यक्रम के अनुसार, वह शिमला में कई आधिकारिक आयोजनों में हिस्सा लेंगी। इसके अलावा उनका कांगड़ा और लाहौल और स्पीति जिलों का दौरा भी प्रस्तावित है। खासतौर पर लाहौल घाटी में उनके स्वागत की व्यापक तैयारियां की गई हैं। इस दौरान वह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अटल टनल (रोहतांग) का भी दौरा करेंगी, जो लाहौल–स्पीति को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाता है। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर

प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। राजधानी शिमला और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। राष्ट्रपति के आगमन से पहले कल्याणी हेलीपैड, संजौली हेलीपोर्ट और अनाडेल हेलीपैड पर सुरक्षा बलों ने रिहर्सल की। खराब मौसम की स्थिति में वैकल्पिक हेलीपैड भी तैयार रखे गए हैं ताकि कार्यक्रम में कोई बाधा न आए। मुख्य सचिव संजय गुप्ता ने भी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की है। उन्होंने सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, प्रेस कवरेज और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि राष्ट्रपति के दौरे के दौरान सभी कार्यक्रम सुचारू और सुरक्षित तरीके से आयोजित हों। इस दौरे के दौरान राष्ट्रपति प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में कार्यक्रमों में भाग लेंगी और स्थानीय लोगों से भी संवाद कर सकती हैं। यह दौरा न केवल प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्यटन और क्षेत्रीय विकास के लिहाज से भी खास माना जा रहा है।

छराबड़ा रिट्रीट बनेगा राष्ट्रपति का ठिकाना

आप को बड़ा झटका: सात राज्यसभा सांसदों का भाजपा में विलय

यूनिक समय, नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। राज्यसभा के सभापति ने आप के सात सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय को मंजूरी दे दी है और इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना भी जारी हो चुकी है। इस घटनाक्रम से राज्यसभा में भाजपा की कुल संख्या बढ़कर 113 हो गई है, जिसमें 5 मनोनीत सदस्य भी शामिल हैं।

भाजपा में शामिल होने वाले सांसदों में राघव चड्ढा, अशोक कुमार मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप कुमार पाठक, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता शामिल हैं। इन नेताओं के इस कदम से आप की संसदीय स्थिति पर सीधा असर पड़ा है। राघव चड्ढा ने अपने फैसले पर सफाई देते हुए कहा कि वे निजी करियर के लिए नहीं बल्कि जनसेवा के उद्देश्य से राजनीति में आए थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर काम करने में बाधाएं आ रही थीं और संगठन कुछ लोगों के निजी हितों तक सीमित हो गया था। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास राजनीति छोड़ने, पार्टी के भीतर रहकर बदलाव की कोशिश करने या किसी अन्य दल के साथ जुड़कर काम करने जैसे विकल्प थे। अंततः उन्होंने और अन्य छह सांसदों ने भाजपा के साथ जुड़कर सकारात्मक राजनीति करने का निर्णय लिया।

राज्यसभा के सभापति ने आप के सात सांसदों के भाजपा में विलय को दी मंजूरी

उत्तराखंड में बिजली संकट गहराया केंद्र से 150 मेगावाट की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। भीषण गर्मी के चलते उत्तराखंड में बिजली की किल्लत लगातार बढ़ती जा रही है। बढ़ती मांग और घटती उपलब्धता के बीच राज्य की बिजली वितरण कंपनी उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपसीएल) ने केंद्र सरकार से 150 मेगावाट अतिरिक्त बिजली की मांग की है।

वर्तमान में प्रदेश में बिजली की मांग लगभग 5.3 करोड़ यूनिट तक पहुंच गई है, जबकि उपलब्धता करीब 4.5 करोड़ यूनिट ही है। इस अंतर के कारण कई इलाकों में दबाव बढ़ रहा है। यूपीसीएल के अधिकारियों के अनुसार,

देशभर में पड़ रही हीट वेव, गैस की सीमित उपलब्धता और जलविद्युत उत्पादन में कमी इसके प्रमुख कारण हैं। गैस की कमी से राज्य के 321 मेगावाट क्षमता वाले गैस आधारित संयंत्रों का उत्पादन प्रभावित हुआ है। वहीं नदियों में जलस्तर कम होने से हाइड्रो पावर उत्पादन भी घटा है। इसके अलावा इंडक्शन कुकर और अन्य विद्युत उपकरणों के बढ़ते उपयोग से 50 से 100 मेगावाट तक अतिरिक्त लोड बढ़ा है। स्थिति से निपटने के लिए केंद्र ने अतिरिक्त बिजली उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। साथ ही मई महीने के लिए ऊर्जा एक्सचेंज के जरिए अग्रिम बिजली खरीद की व्यवस्था भी की गई है, ताकि आपूर्ति को संतुलित रखा जा सके।

प्रदेश में बिजली की मांग लगभग 5.3 करोड़ यूनिट तक पहुंची

केजरीवाल ने हाई कोर्ट में पेश होने से किया इनकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली आबकारी मामले में बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट की न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष पेश होने से इनकार कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह न तो व्यक्तिगत रूप से और न ही किसी वकील के माध्यम से अदालत में उपस्थित होंगे।

आम आदमी पार्टी ने जानकारी दी कि केजरीवाल ने इस संबंध में न्यायमूर्ति को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने कहा कि उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद खत्म हो गई है। इसी कारण उन्होंने महात्मा गांधी के सत्याग्रह के मार्ग पर

चलने का निर्णय लिया है। केजरीवाल ने यह भी कहा कि यह फैसला उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज पर लिया है। साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि वह इस मामले में आगे कानूनी विकल्प अपनाते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकते हैं।

अमृतसर सीमा पर ड्रोन से नशा तस्करी नाकाम

यूनिक समय, नई दिल्ली। बीएसएफ ने अमृतसर के अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रोन के जरिए की जा रही हेरोइन तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। यह घटना बीओपी कलाम डोगर इलाके में देर रात हुई।

जानकारी के अनुसार, जवानों ने संदिग्ध ड्रोन की आवाज सुनते ही तुरंत अलर्ट होकर उसे रोकने के लिए फायरिंग की। इसके बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तलाशी के दौरान खेतों से एक ड्रोन और करीब 535 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि ड्रोन पाकिस्तान की ओर से भेजा गया था, जिसका उद्देश्य भारत में नशे की खेप पहुंचाना था। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि सीमा पार से ड्रोन के जरिए नशा तस्करी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे सुरक्षा चुनौती भी बढ़ी है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में निगरानी और कड़ी कर दी गई है। इरा और अन्य एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि ड्रोन किस स्थान से उड़ाया गया और इसके पीछे कौन सा तस्करी नेटवर्क सक्रिय है।

पूरे क्षेत्र में निगरानी और कड़ी की गई

अनाथ बच्चों की देखभाल पर संकट, अनुदान अटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा में अनाथ और जरूरतमंद बच्चों की देखभाल करने वाले गैर–सरकारी संस्थान गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। राज्य के 21 पंजीकृत संस्थान, जो 500 से अधिक बच्चों की देखभाल कर रहे हैं, पिछले दो वित्तीय वर्षों से सरकारी ग्रांट–इन–एड का इंतजार कर रहे हैं।

फंड न मिलने से संस्थानों में भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं। कई संस्थान उधार लेकर संचालन कर रहे हैं। संगठन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर तुरंत सहायता की मांग की है। वहीं महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का कहना है कि केंद्र से फंड मिलने के बाद ही अनुदान जारी किया जा सकेगा।

व्हाइट हाउस की घटना : ट्रंप ने बताया खौफनाक मंजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुए हमले के बाद उस रात के खौफनाक पलों का विस्तृत वर्णन किया। यह घटना वॉशिंगटन के वाशिंगटन हिल्टन होटल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां अचानक एक बंदूकधारी ने गोलीबारी शुरू कर दी। एक साक्षात्कार में ट्रंप ने बताया कि जैसे ही गोली चलने की आवाज आई, यूएसएसएस के एजेंट्स तुरंत उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने लगे। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि वे खुद स्थिति को समझना चाहते थे और जानना चाहते थे कि वास्तव में क्या हो रहा है। उनकी इस जिज्ञासा के कारण सुरक्षा एजेंसियों को उन्हें तुरंत हटाने में कुछ कठिनाई हुई। ट्रंप ने कहा कि शुरू में

उन्हें स्थिति की गंभीरता का अंदाजा नहीं था, लेकिन जल्द ही स्पष्ट हो गया कि यह सामान्य शोर नहीं बल्कि एक गंभीर हमला है। उन्होंने बताया कि एजेंट्स बार–बार उन्हें निर्देश दे रहे थे कि वे फर्श पर लेट जाएं ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अंततः उन्होंने निर्देशों का पालन किया और जमीन पर लेट गए। उस समय उनके साथ मौजूद फर्स्ट लेडी ने भी यही किया। साक्षात्कार के दौरान ट्रंप ने हमलावर द्वारा लिखे गए मेनिफेस्टो का भी जि किया और उसमें किए गए आरोपों को पूरी तरह खारिज किया।

डिनर कार्यक्रम को 30 दिन के भीतर दोबारा आयोजित किया जाएगा

उन्होंने हमलावर को "बीमार व्यक्ति" बताते हुए कहा कि उससे जुड़ी बातों को सार्वजनिक मंच पर पढ़ना अनुचित है। इस घटना के बावजूद ट्रंप ने कहा कि ऐसे हमले के कारण परंपरागत कार्यक्रमों को रद्द नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि डिनर कार्यक्रम को 30 दिनों के भीतर दोबारा आयोजित किया जाए। उनके अनुसार, एक व्यक्ति की हिंसक हरकत के कारण सार्वजनिक आयोजनों को बंद करना सही संदेश नहीं देता।

दिल्ली में महिला वकील पर हमला, सुप्रीम कोर्ट सख्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के कड़कड़डूमा क्षेत्र में महिला वकील पर हुए जानलेवा हमले के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। पीड़िता ने अदालत को बताया कि उनके पति ने उन पर चाकू से हमला किया और इलाज के लिए तीन अस्पतालों में जाने के बावजूद उन्हें तुरंत उपचार नहीं मिला। बाद में उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत अब स्थिर है।

अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि इस मामले में कोई भी दोषी बचना नहीं चाहिए। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है और एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि जांच किसी वरिष्ठ अधिकारी, विशेषकर महिला अधिकारी को सौंपी जाए।

गो माता को राष्ट्रमाता बनाने की मांग पर ब्रज में उमड़ा जनसैलाब

छाता में गो माता के सम्मान में निकाली पदयात्रा में शामिल गो भक्त।

गो माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर गोवर्धन में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौपते साधु संत और अन्य लोग।

गो माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने की उठी मांग

छाता और गोवर्धन में भक्तों ने निकाली पदयात्रा

यूनिक समय, छाता/गोवर्धन (मथुरा)। गो भक्तों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने 'गो मां सम्मान आह्वान' के बैनर तले एक पदयात्रा निकाली। मुख्य उद्देश्य गो माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने और उनके संरक्षण के लिए कड़े कानून बनाने की मांग थी।

पदयात्रा में शामिल सैकड़ों की संख्या में गो भक्तों ने गो माता की जय और गो माता को राष्ट्रमाता घोषित करो जैसे नारे लगाए। भक्तों का कहना है कि गो माता भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं, इसलिए उन्हें संवैधानिक रूप से सर्वोच्च सम्मान मिलना अनिवार्य है। इस रैली में ब्रज के तमाम संत बड़े–बड़े साधु संत भी शामिल हुए।

बरसाना के संत रमेश बाबा भी बरसाना से चलकर रैली में शामिल होने आए। सभी गो भक्त तहसील कार्यालय पहुंचे। उन्होंने उप जिला अधिकारी वैभव गुप्ता को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, यूपी की राज्यपाल यूपी के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गौ माता को अविलंब 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिलाने, गो तस्करी और गो हत्या के विरुद्ध देशव्यापी सख्त कानून बनाने, प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर सरकारी गोशालाओं का प्रभावी संचालन कराने, सड़कों पर लावारिस घूम रहे गोवंश के लिए उचित आश्रय और चारे की व्यवस्था की मांग थी।

गोवर्धन में साधु–संतों, गो सेवकों और गो रक्षकों ने रैली निकालकर गो माता को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा देने की मांग उठाई। भगवान कृष्ण की नगरी गोवर्धन में आयोजित इस रैली में हजारों की संख्या में गो भक्त शामिल हुए। रैली गोवर्धन से शुरू होकर राधाकुंड बाईपास स्थित तहसील भवन पहुंची, जहां प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी सुशील कुमार को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर बाबा चित्र–विचित्र, गो सेवक श्रेयस, धीरज कौशिक, दीपक शर्मा, बांके हिंदू और कन्हैया ठाकुर सहित अनेक गो भक्त उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत

गुस्साए लोगों ने हाईवे पर लगाया जाम

यूनिक समय, आगरा। थाना एत्मादपुर क्षेत्र के बरहन मोड़ पर सोमवार दोपहर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक महिला की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार फिरोजाबाद के मटसेना गांव निवासी धर्मेंद्र अपनी पत्नी रूपा (33) के साथ आगरा जा रहे थे जब बरहन तिराहे के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में रूपा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने हाईवे की एक लेन जाम कर दिया जिससे लंबा जाम लग गया। लोगों ने बरहन मोड़ पर फ्लाईओवर की मांग को लेकर प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी समझाने के बाद जाम खुलवाया और यातायात बहाल किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार वाहन की तलाश सीसीटीवी से की जा रही है। मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई जारी है।

जीवात्मा की सेवा ठाकुर जी की सच्ची सेवा होती है

कृष्णा कुटीर आश्रम में मटका वितरित करने के बाद वृद्ध विधवा माताओं के साथ स्वामी हरिदास पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर राधा प्रसाद देव जू महाराज एवं महंत मोहनी शरण महाराज।
प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। भीषण गर्मी से राहत के लिए मोहिनी एकादशी पर स्वामी हरिदास पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर राधा प्रसाद देव जू महाराज की अध्यक्षता में कृष्णा कुटीर आश्रम में वृद्ध विधवा माताओं को गर्मी से राहत के लिए गरीबों का फ्रिज मटका वितरण साथ में पौष्टिक सत्तू चीनी वितरण किया गया।

राधा प्रसाद देव जू ने कहा कि आज सभी वृद्ध विधवा माता के लिए गर्मी से बचाव के लिए मटके और जरूरत की सामग्री स्वामी हरिदासीय राधा प्रसाद सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में वितरण की गई है। मोहिनी बिहारी ने बताया कि जीवात्मा की सेवा सचिव परमात्मा की सेवा होती है। इन सभी वृद्ध विधवा माताओं के साथ उत्सव मना कर मन को बहुत ही शांति प्राप्त हुई है। यह वृद्ध विधवा मातायें अपने घर से दूर रहकर अपना जीवन यापन कर रही है। इन वृद्ध माताओं के जीवन में कुछ पल ऐसे भी आते हैं, जिन पलों में यह अपने पारिवारिक जनों को बहुत याद करती है।

सुनील एवं वैष्णों दास ने कहा कि हरिदासीय राधा प्रसाद सेवा ट्रस्ट अबतक गरीब असहाय नेत्रहीन विधवा माताओं को 1500 से अधिक मटके वितरण कर चुके हैं। जीवात्मा की सेवा ठाकुर जी की सच्ची सेवा है। इस मौके पर अचल दास, योगेश भाई राजस्थान श्याम दास, विराज दुबे, शिल्पा, श्याम दास, डॉ. डीडी गर्ग तथा नीतू झांसी आदि मौजूद थे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल से एकत्र किए सबूत

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा के गांव भुंडान में एक महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। महिला की मौत से परिवार में हड़कंप मच गया। फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया।

गांव भुंडान निवासी जीतू की पत्नी ममता ने आज कमरे में लगे पंखे में दुपट्टा बांध कर फंदा लगा लिया। ममता द्वारा फंदा लगाए जाने की खबर लगते ही परिवार में हड़कंप मच गया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरने के लिए तहसीलदार को भी बुला लिया। बताया गया कि ममता की शादी चार साल पहले हुई थी। महिला की मात का पता लगने पर फॉरेंसिक टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गई।

फॉरेंसिक टीम ने वहां से सूबत भी एकत्रित किए। बताया गया कि टीम को वहां से एक मोबाइल भी बरामद हुआ है। पुलिस मोबाइल की जांच कराएगी। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ममता के परिवार के लोग ससुरालीजनों पर हत्या करने का आरोप लगा रहे हैं। इस मामले में अभी पुलिस को किसी तरह की कोई तहरीर नहीं मिली है।

एक्सप्रेस वे पर अनियंत्रित बाइक गिरने से युवक घायल

गंभीर रूप से घायल युवक अस्पताल में भर्ती

यूनिक समय, सुरीर। यमुना एक्सप्रेसवे पर सोमवार की सुबह एक बाइक सवार बाइक के अनियंत्रित होकर गिर जाने से बाइक सवार युवक घायल हो गया।

सोमवार की सुबह करीब 10 बजे पीआरवी 1877 को सूचना मिली कि एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 72 (आगरा से नोएडा) पर एक बाइक अचानक अनियंत्रित होकर गिर गई है। इस सूचना पर उपनिरीक्षक हरेंद्र सिंह मय पुलिस टीम मौके पर पहुंचे। वहां अपाचे बाइक सवार युवक प्रशांत जैन पुत्र वीरेंद्र जैन निवासी गीता कॉलोनी, थाना गांधीनगर, दिल्ली) सड़क पर घायलावस्था में पढ़ा था। उप निरीक्षक ने घायल युवक को पीआरवी 1877 के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नौहझील भिजवाया, जहां उनका उपचार जारी है। वहीं दुर्घटनाग्रस्त बाइक को एक्सप्रेसवे से हटाकर बाजना कट चौकी यार्ड में सुरक्षित खड़ा करा दिया गया है। घायल युवक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

पाटोत्सव महोत्सव कल

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर भारत के प्रसिद्ध मथुरा पुरी बृजमंडल तीर्थ क्षेत्र के प्राचीन श्री दीर्घ विष्णु मंदिर में विराजमान श्री विग्रह, श्री दीर्घ विष्णु भगवान एवं पद्मालयी महालक्ष्मी जी का वार्षिक पाटोत्सव महोत्सव 28 अप्रैल को मनाया जाएगा। श्री दीर्घ विष्णु मंदिर सेवा संस्थान के अध्यक्ष एवं सेवायत महंत कान्तानाथ चतुर्वेदी और प्रवक्ता रामदास चतुर्वेदी शास्त्री के अनुसार, प्राचीन परम्परा के अनुसार प्रातः काल मंगला आरती के पश्चात ठाकुर जी का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। ठाकुर जी को नवीन श्रृंगार धारण कराए जाएंगे, सहस्त्रनाम स्तोत्र पाठ, गीता पाठ का आयोजन मंदिर प्रांगण में रहेगा। सांयकाल ठाकुर जी के मंदिर को भव्य पुष्प महल के रूप में सजाया जाएगा।

'वीरांगना सम्मान समारोह' में 87 वीर नारी एवं परिवारिजन सम्मानित

वीरांगना सम्मान समारोह में मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि समेत अन्य पदाधिकारियों के साथ।
प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। हमारी पहल वेलफेयर सोसाइटी आगरा के तत्वावधान में गोकुल बैराज रोड स्थित बीआर गार्डन में 'वीरांगना सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। इसमें मथुरा एवं आगरा

के 1950 से लेकर अब तक के युद्धों तथा सुरक्षा में तैनात सैनिकों के परिवार में मां, पत्नी, बेटी, बहन और पुत्रवधुओं को भी सम्मानित

किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कर्नल तेजसिंह तथा मुख्य अतिथि उप्र एक्स सर्विसेज लीग के कोर्डिनेटर खेमचन्द्र शर्मा नगेश ने संस्था के उद्देश्य की प्रशंसा की। कहा कि ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से देश के अमर शहीदों को मात्र श्रद्धा पूर्वक नमन ही नहीं करते, बल्कि उनके परिवार के प्रति निष्ठा एवं सहयोग समर्पित कर स्वयं को भी गौरवान्वित महसूस करते हैं।

इस अवसर पर 87 वीरनारी तथा परिजनों को शाल एवं प्रतीक चिन्ह बैठकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कैप्टन नेत्रपालसिंह, ऊधमसिंह, कैप्टन भंवर सिंह, रमेश नोहवार, कैप्टन हरिहर शर्मा, श्याम सुन्दर बनीवाल, हरी ओम तिवारी, सूबेदार गंभीर सिंह (हाथरस) तथा सत्यपाल सिंह आदि को आयोजक समिति ने सम्मानित किया। आयोजक हमारी पहल वेलफेयर सोसाइटी के निदेशक रवि पाराशर, निर्देशक एवं राष्ट्री संयोजक गजेंद्र चाहर ने सभी अतिथियों तथा शहीद परिवारों का आभार जताया।

जिले में अवर अभियंताओं का सांकेतिक आंदोलन

मांगों को लेकर धरना देते अवर अभियंता।

निलंबन कार्रवाई के विरोध में उठी आवाज

यूनिक समय, कोसीकलां। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन, जनपद मथुरा के आह्वान पर सोमवार को कोसी खंड परिसर में अवर अभियंताओं (जेई) और प्रोन्नत सहायक अभियंताओं ने सांकेतिक आंदोलन किया। यह आंदोलन अवर अभियंताओं के खिलाफ की जा रही कथित अनैतिक कार्रवाई तथा कोसी टाउन के अवर अभियंता अमोद आनंद के निलंबन के विरोध में किया गया।

अभियंताओं का कहना है कि वर्तमान में भीषण गर्मी के बीच वे लगातार विद्युत आपूर्ति सुचारू रखने के लिए ट्रांसफार्मरों की मरम्मत में जुटे हैं। इसके बावजूद तेल, फ्यूज वायर सहित अन्य आवश्यक सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं कराई जा रही है, जिससे मरम्मत कार्य प्रभावित हो रहा है। इसके बाद भी अधिकारियों द्वारा अवर अभियंताओं को ही जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, जिसे उन्होंने अनुचित बताया। आंदोलन के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने मांग की कि अमोद आनंद के निलंबन की निष्पक्ष जांच कर उसे वापस लिया जाए और फील्ड में कार्यरत अभियंताओं को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि विद्युत आपूर्ति बेहतर ढंग से संचालित हो सके।

इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत कुमार, क्षेत्रीय सचिव ध्रुव साहू, जिला अध्यक्ष राकेश यादव, सचिव सत्येंद्र मौर्य, रवि मौर्य, दीपक मध्येशिया, राहुल साहू, उदित कुमार, अशोक यादव, प्रतीक गुप्ता, मनमोहन सिंह, नवीन ठाकुर, संदीप, मनीष प्रजापति, अरुण नगाइच, अंकुर यादव, अनूप कुमार, दीपक कुमार, यादवेंदु सिंह, सुनील कुमार सहित कई अभियंता मौजूद रहे।